सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

ऊँचाई पर वही पहुँचते है,
जो बदला नहीं बदलाव
लाने की सोच रखते है।

वर्ष 01, अंक 234, नई दिल्ली

रविवार, 05 नवम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

दिल्ली में बेकाबू डीटीसी बस ने कई वाहनों को रौंदा

एक की मौत; हादसे पर परिवहन विभाग ने दी सफाई

संजय बाटला, संपादक

दिल्ली के रोहिणी इलाके में आज एक बेकाबू इलेक्ट्रिक डीटीसी बस हादसे का शिकार हो गई। परिवहन विभाग की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि अचानक बेहोश हो जाने की वजह से चालक ने बस पर अपना नियंत्रण खो दिया था। बस सड़क पर बाईं ओर खड़े वाहनों से जा टकराई।

नई दिल्ली। दक्षिणी रोहिणी इलाके में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस बेकाबू हो गई। शनिवार दोपहर बाद बेकाबू बस ने कई वाहनों को रौंद दिया। बस की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। अंबेडकर अस्पताल में भर्ती रोहिणी सेक्टर-3 निवासी राम शर्मा की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

हादसे में कार समेत 12 से ज्यादा वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर आरोपी बस चालक संदीप को गिरफ्तार कर लिया। वहीं हादसे में जान गंवाने वाले युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस बस में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

बस चालक के बेहोश होने से हुआ हादसा

दिल्ली के परिवहन विभाग की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि अचानक बेहोश हो जाने की वजह से चालक ने बस पर अपना नियंत्रण खो दिया था। बस सड़क पर बाईं ओर खड़े वाहनों से जा टकराई। कंडक्टर ने पीसीआर को बुलाया और घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाने में पुलिस की मदद की। वरिष्ठ अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया साथ ही घायल की हाल जानने के लिए अंबेडकर अस्पताल भी गए। विभाग का कहना है कि जहां तक मशीनों की खराबी का सवाल है, दिल्ली सरकार के पास शहर में सुरक्षित और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए मानक प्रक्रियाएं हैं।

शनिवार दोपहर बाद करीब तीन बजे संदीप रोहिणी इलाके में सवारियों को उतारने के बाद डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस को डिपो की ओर ले जा रहा था। रोहिणी सेक्टर-तीन स्थित मदर डिवाइन स्कूल के पास अचानक बस बेकाबू हो गई। आगे जा रही बैटरी रिक्शा, कार और कई दोपहिया वाहनों को बस ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद भी बस वाहनों को घसीटते हुए आगे बढ़ती रही।

इस दौरान बस ने सड़क पार कर रहे युवक को कुचल दिया। वहीं एक अन्य व्यक्ति भी बस की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वाहनों को टक्कर मारने के बाद बस सड़क किनारे खड़ी स्कूटियों को रौंदते हुए आगे बढ़ती रही। कुछ दूर आगे जाकर धीमी होकर रुक गई।

घटना की जानकारी पुलिस को देने के बाद लोग बस के पास पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चालक के मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस ने दोनों घायलों को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां करीब 30 साल के युवक को मृत घोषित कर दिया गया। उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला है।

हालांकि आसपास के लोगों ने बताया कि युवक कूड़ा बीनने का काम करता था। पुलिस उसकी शिनाख्त करने में जुटी है। वहीं घायल राम शर्मा के सिर में चोट है। पुलिस ने बस चालक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की। चालक ने बताया कि घटना के समय अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई थी। जिसकी वजह से उसने बस पर से नियंत्रण खो दिया। पुलिस ने चालक की मेडिकल जांच कराई है।

घटनास्थल के पास मची अफरातफरी

बेकाबू बस को कार, बैटरी रिक्शा और अन्य दोपहिया वाहनों को टक्कर मारते देख घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। सड़क से जा रहे लोग खुद को सुरक्षित करने के लिए दूर भागने लगे। आसपास से जा रहे चालकों ने भी अपने वाहन सड़क के किनारे कर लिए। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के समय बस अचानक बेकाबू हो गई। पहले अपने आगे चल रहे तीन चार दो पहिया वाहन को टक्कर मारी और फिर दाईं ओर से जा रही ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी।

इसी बीच दूसरी सड़क से मुख्य सड़क पर आ रही कार बस के सामने आ गई। कार में जोरदार टक्कर मारने के बाद बस उसे घसीटते हुए दूर ले गई। उसके बाद बस सड़क के किनारे आ गई। किनारे खड़ी छह से ज्यादा स्कूटी को टक्कर मारने के बाद रुक गई। लोगों ने बताया कि गनीमत रही कि घटना के समय स्कूटी पर कोई सवार नहीं था। नहीं तो हादसे में कई लोगों चपेट में आ सकते थे।

मोदी की दूरदर्शिता से मिली देश को आर्थिक सुदृढता

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश को आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करने के प्रति जिस दूरदर्शिता का परिचय मोदी ने दिया वह उल्लेखनीय है। स्पष्ट रूप से इसे समझना सरल नहीं लेकिन उसके अच्छे परिणाम जल्द ही भारतीय अर्थव्यवस्था में दिखने शुरू हो जाएंगे। भारत में वाहन निर्माण के लिए प्रयुक्त होने वाले इस्पात यानी लोहा और वाहनों के चलन के लिए प्रयुक्त होने वाले ईंधन यानी पेट्रोल और डीजल एवं बैटरी के लिए प्रयोग होने वाले कच्चे माल के लिए हमारा देश और निर्माता आज तक दूसरे देशों पर निर्भर है और आयात करने को मजबूर हैं। मोदी के दृढ़ संकल्प, दूरदर्शिता और सही सोच के बल पर वाहन निर्माण के लिए आवश्यक कच्चा माल कम दरों पर देश में ही उपलब्ध होना जल्द शुरू हो जाएगा जिससे वाहन निर्माताओ को दूसरे देशों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं रही।

आपकी जानकारी के लिए स्पष्ट कर दें कि ईंधन के लिए प्रयोग होने वाले पेट्रोल और डीजल की निर्भरता और उसके आयात को खत्म/कम करने के उद्देश्य से देश में एथेनॉल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की श्रेणी उपलब्ध करवाई और वाहनों में जनता की रूचि/बिक्री के लिए सब्सिडी की घोषणा की।

वाहन निर्माण में प्रयोग होने वाले इस्पात के आयात की जरूरत रोकने/कम करने के उद्देश्य से वाहन स्क्रैप पॉलिसी घोषित की जिससे पुराने खराब और निर्धारित समय सीमा समाप्त कर चुके वाहनों की रिसाइक्लिंग कर इस्पात उपलब्ध कर नए वाहनों का निर्माण हो और इस्पात के आयात की जरुरत ना के बराबर हो जाए।

बैटरी के निर्माण के लिए प्रयोग होने वाले कच्चे माल का आयात खत्म/कम करने के लिए भारत में उपलब्ध कच्चे माल से बैटरी निर्माण शुरू करवाया।

अपने कार्यकाल में मोदी द्वारा इसके अतिरिक्त देश में तरक्की, विकास दर में बढ़ोतरी के साथ तेजी लाने के उद्देश्य से

उच्च कोटि की सड़को के निर्माण,

तेज गति की ट्रेने,

उच्चस्तरीय स्तर के एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बंदरगाह और राजमार्ग बनवाकर देश को आर्थिक संपन्नता प्रदान करवाई

दूरदर्शिता से करवाए गए कार्यों के परिणाम जल्द ही दुनिया को दिखने और समझ में आने लगेगे।

मोदी सोच है तो विकास हैं

दीपावली इफेक्ट: पांच गुना तक महंगी हुईं डायरेक्ट फ्लाइट, ट्रेनों में नो रूम जैसे हालात

परिवहन विशेष न्यूज

दीपावली का पर्व 12 नवंबर को मनाया जाएगा। ऐसे में दिल्ली व मुंबई से आने वाली ट्रेनों में यात्रियों को कन्फर्म सीटें नहीं मिल रही हैं। एसी बोगियों में यात्रा करने वाले विमानों का रुख कर रहे हैं।

नई दिल्ली। दीपावली करीब आते-आते विमानों के किराये ने उड़ान भर दी है। दिल्ली व मुंबई से लखनऊ आने वालों को पर चार से पांच गुना तक अधिक खर्च करना पड़ रहा है। यह स्थिति डायरेक्ट फ्लाइटों की है। कनेक्टिंग फ्लाइटों का किराया तो इससे भी ज्यादा महंगा है।

दीपावली का पर्व 12 नवंबर को मनाया जाएगा। ऐसे में दिल्ली व मुंबई से आने वाली ट्रेनों में यात्रियों को कन्फर्म सीटें नहीं मिल रही हैं। एसी बोगियों में यात्रा करने वाले विमानों का रुख कर रहे हैं। पर, आसमान छूते किराये से उनके पसीने छूट रहे हैं। दस नवंबर को इंडिगो की सुबह 5:45 बजे लखनऊ के लिए रवाना होने वाली डायरेक्ट फ्लाइट का किराया 12,219 रुपये पहुंच गया है। इंडिगो की ही सुबह 7.55 बजे, शाम 4.30 बजे व शाम 5.30 बजे उड़ान भरने वाले डायरेक्ट फ्लाइट का किराया 14,740 रुपये है। अन्य उड़ानों की भी कमोबेश यही स्थिति है। वहीं 11 नवंबर को रात 11:45 बजे दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की फ्लाइट का किराया 20,462 रुपये पहुंच गया है।

25 हजार पार कनेक्टिंग फ्लाइट का किराया

मुंबई से सुबह 5:15 बजे व सुबह 11.20 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो की डायरेक्ट फ्लाइटों का किराया 21,512 रुपये पहुंच गया है। कनेक्टिंग फ्लाइटों का किराया 15,761 रुपये से लेकर 25,302 रुपये तक पहुंच चुका है, जबकि 11 नवंबर को डायरेक्ट फ्लाइटों का किराया 20,462 रुपये है।

आम दिनों में दिल्ली का किराया 4000 तो मुंबई का 5000 होता है

विमानों के महंगे किराये की बात की जाए तो दिल्ली से लखनऊ आने वाली उड़ानें पांच गुना तक और मुंबई से आने वाली डायरेक्ट फ्लाइटें चार गुना तक महंगी हो गई हैं। आम दिनों में दिल्ली का टिकट चार हजार तो मुंबई का पांच हजार रुपये तक मिल जाता है। पर, इन दिनों इसकी उम्मीद करना भी बेमानी है।

त्योहार पर ट्रेनों में सीटों की मारामारी

दीपावली मनाने के लिए दिल्ली व मुंबई से लखनऊ आने वालों के लिए ट्रेनों की चेयरकार से लेकर एसी बोगियां तक फुल हैं। लंबी वेटिंग से यात्रियों के चेहरे पर मायूसी है। तत्काल कोटे की आस में सुस्त सर्वर अड़ंगे लगा रहा है। दिल्ली से आने वाली ट्रेनों की वेटिंग 400 व मुंबई की 372 पार पहुंच चुकी है। दीपावली का पर्व 12 नवंबर को मनाया जाना है। दिल्ली व मुंबई से हजारों की तादाद में यात्री लखनऊ आते हैं। ऐसे में इन जगहों से लखनऊ आने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

मुंबई से लखनऊ आने वाली पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में 10 व 11 नवंबर को वेटिंग क्रमशः 359, 372, थर्ड एसी में 231 व 227 पहुंच गई है। पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस के स्लीपर में तो इन तारीखों में सीट ही नहीं है। एलटीटी-गोरखपुर एक्सप्रेस की स्लीपर में 10 व 11 को क्रमशः 145, 133 व थर्ड एसी में 50, रिग्रेट चल रहा है। कुशीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर में 144, रिग्रेट, थर्ड एसी में 96, 98 वेटिंग है। अवध एक्सप्रेस व बांद्रा टर्मिनस गोरखपुर एक्सप्रेस में भी वेटिंग

चल रही है। वहीं एलटीटी सीवान स्पेशल ट्रेन की थर्ड एसी इकॉनमी क्लास में भी सीटें खाली नहीं हैं।

डबलडेकर की चेयरकार में 159 वेटिंग

दूसरी ओर दिल्ली से 10 व 11 नवंबर को लखनऊ आने वाली कॉर्पोरेट ट्रेन तेजस एक्सप्रेस में 154 व 90 तथा शताब्दी एक्सप्रेस में 252 व 338 वेटिंग पहुंच गई है। जबकि डबलडेकर एक्सप्रेस की चेयरकार में दस को 159 वेटिंग है, 12 को 797 सीटें खाली हैं। ऐसे ही एसी एक्सप्रेस की थर्ड एसी में 10 नवंबर को कोई सीट खाली नहीं है जबकि 11 को 97 वेटिंग है। लखनऊ मेल की स्लीपर में 363, 400 व थर्ड एसी में रिग्रेट व 78 वेटिंग है।

धोखेबाज सर्वर ने फिर रुलाया

तत्काल कोटे में ढाई हजार से अधिक सीटें हैं। ऐसे में रेगुलर ट्रेनों में वेटिंग की मार झेल रहे यात्रियों के लिए तत्काल कोटे की आस है। पर, सुस्त सर्वर के चलते उन्हें कन्फर्म टिकट नहीं मिल पा रहे हैं। शुक्रवार को तत्काल कोटे के तहत पुणे, मुंबई, सिकंदराबाद, पटना, दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू की ट्रेनों की सीटें यात्रियों को नहीं मिल पाईं। स्लीपर व एसी में क्रमशः 278 व 153 सीटें थीं, पर यात्रियों को वेटिंग सीटें ही हाथ लगीं।

130 अतिरिक्त बसें दिल्ली के यात्रियों को देंगी राहत

उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम दिल्ली के लिए 130 अतिरिक्त बसें चलाएगा। ये बसें आनंदविहार से कैसरबाग, आलमबाग आदि बस अड्डों तक आएंगी। इससे हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।

ई-व्हीकल: नए साल पर महंगे हो सकते हैं ई-वाहन

ईवी सब्सिडी वाली फेम योजना को खत्म कर सकती है सरकार

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के लिहाज से फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) के तहत अगले पांच वर्षों के लिए सब्सिडी बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। केंद्र सरकार ने 2015 से 2019 तक लागू फेम-1 योजना के लिए 895 करोड़ का आवंटन किया था।

नई दिल्ली। नए साल से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) महंगे हो सकते हैं। ईवी को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई फेम योजना के तीसरे चरण के लिए दी जाने वाली सब्सिडी वित्त मंत्रालय चालू वित्त वर्ष के बाद खत्म कर सकता है। मंत्रालय का मानना है कि फेम-1 एवं फेम-2 के लाभार्थी ईवी निर्माताओं को किसी और सरकारी समर्थन की जरूरत नहीं है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के लिहाज से फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) के तहत अगले पांच वर्षों के लिए सब्सिडी बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। केंद्र सरकार ने 2015 से 2019 तक लागू फेम-1 योजना के लिए 895 करोड़ का आवंटन किया था। 2019 से 2024 के लिए लागू फेम-2 योजना के तहत इस आवंटन को बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये कर दिया गया। ईवी निर्माता फेम-3 के तहत आवंटन राशि बढ़ाए जाने की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन, फेम-3 योजना के तहत ईवी की जिस श्रेणी को प्रोत्साहन देना है, उसे सरकार ने अभी अंतिम रूप नहीं दिया है।

2019 से लागू फेम-2 सब्सिडी योजना के जरिये एक अगस्त, 2023 7.53 लाख से अधिक ईवी दोपहिया वाहनों को समर्थन मिला है। यह योजना 7,090 ई-बसों, 5 लाख तिपहिया वाहनों, 55,000 चारपहिया यात्री कारों और 10 लाख दोपहिया वाहनों को सब्सिडी के माध्यम से सरकारी और साझा परिवहन के इलेक्ट्रिफिकेशन का समर्थन करने पर केंद्रित है। इनमें से केवल बसों और दोपहिया वाहनों की बिक्री उन लक्ष्यों के करीब रही है, जिन्हें योजना के तहत हासिल करने के लिए निर्धारित किया था।

योजना पर विचार

एक सरकारी अधिकारी ने कहा, भारी उद्योग मंत्रालय फेम योजना के तीसरे चरण को लेकर वित्त मंत्रालय से चर्चा कर रहा है। प्रस्ताव पर अंतिम फैसला ईवी पहुंच की स्थिति, जरूरी समर्थन और पूंजी उपलब्धता को ध्यान में रखने के बाद लिया जाएगा। इसके अलावा, बैटरी और ऑटो कलपुर्जे विनिर्माण के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत भी समर्थन की पेशकश की जा रही है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

5 डेली लाइफ की चीजें महिलाएं जरूर सीख लें, मदद की नहीं पड़ेगी जरूरत, कदम से कदम मिलाकर चलें जमाने के साथ

जीवन में कुछ बुनियादी कौशल हैं, जिन्हें हर महिला को सीखना ही चाहिए. इन्हीं कौशलों में से एकाध हैं बच्चों की परवरिश, खाना बनाना आदि. लेकिन, आपको यह जानना जरूरी है कि इन चीजों के अलावा भी कई चीजे हैं, जिसे जल्द से जल्द सीखना महिलाओं के लिए जरूरी होता है. इन चीजों को अगर आप सीख लें तो लोगों पर निर्भरता आपकी कम होगी और आप लोगों से मदद मांगने की बजाय, उनकी मदद कर सकेंगी. जानते हैं कि बेहतर जीवन के लिए हर महिला को डेली लाइफ में किन प्रैक्टिकल स्किल को सीखना जरूरी है.

1/ 5 बेसिक स्किल के रूप में हर महिला को ड्राइविंग के अलावा टायर और इंजन ऑयल बदलना भी सीखना जरूरी है. जितना जरूरी महिलाओं के लिए ड्राइविंग सीखना होता है, अपनी गाड़ी से जुड़ी हर बात की जानकारी रखना भी लड़कियों के लिए बहुत जरूरी है. मान लें कि आप कभी आप किसी ट्रैवल में हों और आपका टायर पंचर हो जाए और आपका मोबाइल काम ना करे. ऐसे में आप खुद ही गाड़ी का टायर बदल सकती हैं. वरना मदद के चक्कर में आप बुरे लोगों की चंगुल में आ सकती हैं.
Image : Canva
बेसिक स्किल के रूप में हर महिला को ड्राइविंग के अलावा टायर और इंजन ऑयल बदलना भी सीखना जरूरी है. जितना जरूरी महिलाओं के लिए ड्राइविंग सीखना होता है, अपनी गाड़ी से जुड़ी हर बात की जानकारी रखना भी लड़कियों के लिए बहुत जरूरी है. मान लें कि आप कभी आप किसी ट्रैवल में हों और आपका टायर पंचर हो जाए और आपका मोबाइल काम ना करे. ऐसे में आप खुद ही गाड़ी का टायर बदल सकती हैं. वरना मदद के चक्कर में आप बुरे लोगों की चंगुल में आ सकती हैं.

2/ 5 विनम्र तरीके से और दृढ़तापूर्वक किसी को ना कहना सीखना हर महिला को आना चाहिए. अगर आप किसी को ना नहीं कह पाती हैं तो आपको जल्द से जल्द यह सीखने की जरूरत है. इस तरह आप अपने साथ होने वाली कई अनहोनी घटनाओं को होने से रोक सकेंगी. अगर कोई आपको कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहा है जिसे आप नहीं करना चाहती हैं तो आपको खुद के लिए खड़े होना सीखना होगा और 'ना' कहना होगा.
विनम्र तरीके से और दृढ़तापूर्वक किसी को ना कहना सीखना हर महिला को आना चाहिए. अगर आप किसी को ना नहीं कह पाती हैं तो आपको जल्द से जल्द यह सीखने की जरूरत है. इस तरह आप अपने साथ होने वाली कई अनहोनी घटनाओं को होने से रोक सकेंगी. अगर कोई आपको कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहा है जिसे आप नहीं करना चाहती हैं तो आपको खुद के लिए खड़े होना सीखना होगा और 'ना' कहना होगा.

3/ 5 अगर आप बजट बनाना और अपने पैसों का सही निवेश करना सीख जाती हैं, तो आप आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करेंगी. अगर आप यह सीख जाएं कि कैसे अपने पैसे को इनवेस्ट करना है, तो आप जो कुछ भी जीवन में करना चाहती हैं, उसके लिए खुद पैसा पैदा भी कर सकती हैं.
अगर आप बजट बनाना और अपने पैसों का सही निवेश करना सीख जाती हैं, तो आप आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करेंगी. अगर आप यह सीख जाएं कि कैसे अपने पैसे को इनवेस्ट करना है, तो आप जो कुछ भी जीवन में करना चाहती हैं, उसके लिए खुद पैसा पैदा भी कर सकती हैं.

4/ 5 अगर आप कुकिंग नहीं जानतीं तो आपको कदम कदम पर दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है. यही नहीं, आप चाहकर भी किसी को अपने हाथ से बना कुछ स्पेशल नहीं खिला पाएंगी. ऐसे में कम से कम 3 कंप्लीट डिश आप जरूर बनाना सीखें. यही नहीं, यह भी प्रयास करें कि आप रोज खाने वाले आसान डिश को भी बनाना सीख जाएं. इससे आपको हर बार बाहर के खाने को ऑर्डर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आप हेल्दी रहेंगी.
अगर आप कुकिंग नहीं जानतीं तो आपको कदम कदम पर दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है. यही नहीं, आप चाहकर भी किसी को अपने हाथ से बना कुछ स्पेशल नहीं खिला पाएंगी. ऐसे में कम से कम 3 कंप्लीट डिश आप जरूर बनाना सीखें. यही नहीं, यह भी प्रयास करें कि आप रोज खाने वाले आसान डिश को भी बनाना सीख जाएं. इससे आपको हर बार बाहर के खाने को ऑर्डर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आप हेल्दी रहेंगी.

5/ 5 हर महिला को यह पता होना चाहिए कि आंधी के बीच, अंधेरे में किसी अपरिचित जगह पर कैसे ड्राइव करना या रास्ता ढूंडना है. अगर आप कभी खो जाएं तो अपना रास्ता कैसे खोजें. अगर आपका जीपीएस टूट जाए और रास्ता बताने के लिए कोई ना हो तो किस तरह मैप की मदद से जगह को ढूंडें.अगर आप इस तरह के कौशल को अपने अंदर पैदा कर लें तो यकीन मानिए, आप अधिक फ्री महसूस करेंगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा.
हर महिला को यह पता होना चाहिए कि आंधी के बीच, अंधेरे में किसी अपरिचित जगह पर कैसे ड्राइव करना या रास्ता ढूंडना है. अगर आप कभी खो जाएं तो अपना रास्ता कैसे खोजें. अगर आपका जीपीएस टूट जाए और रास्ता बताने के लिए कोई ना हो तो किस तरह मैप की मदद से जगह को ढूंडें.अगर आप इस तरह के कौशल को अपने अंदर पैदा कर लें तो यकीन मानिए, आप अधिक फ्री महसूस करेंगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा.

वर्किंग वुमन के लिए बेस्ट हैं ये हेल्थ केयर टिप्स, 5 आसान तरीके करें फॉलो, हमेशा रहेंगी फिट और हेल्दी

रोजमर्रा की बिजी लाइफस्टाइल में ज्यादातर महिलाओं को अपने लिए समय नहीं मिल पाता है. खासकर वर्किंग वुमन के लिए घर और ऑफिस को संभालना काफी मुश्किल टास्क होता है. हालांकि वर्किंग वुमन अगर चाहें तो कुछ आसान तरीकों की मदद से ना सिर्फ घर और बाहर की जिम्मेदारियों के बीच में अपना खास ख्याल रख सकती हैं बल्कि खुद को फिट और हेल्दी भी बना सकती हैं.
घर और ऑफिस का काम करते समय महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को नजर अंदाज कर देती हैं. जिसके चलते आप कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का भी शिकार हो सकती हैं. इसलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं वर्किंग वुमन के लिए कुछ आसान हेल्थ केयर टिप्स, जिसे फॉलो करके आप हेल्दी लाइफस्टाइल को फुल एन्जॉय कर सकती हैं.

हैवी नाश्ता करें

काम में बिजी होने के कारण कई बार वर्किंग वुमन को खाने का समय नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप सुबह हैवी नाश्ता कर सकती हैं. इससे ना सिर्फ आपका पेट भरा रहेगा बल्कि काम के दौरान आपको भूख का भी कम अहसास होगा और आप काम पर पूरा फोकस कर पाएंगी.

हेल्दी डाइट लें

वर्किंग वुमन अक्सर भूख लगने पर जंक फूड या तला-भुना खाकर पेट भर लेती हैं. जिससे आपके शरीर में पोषण की कमी होने लगती है और आप बीमार भी पड़ सकती हैं. इसलिए हमेशा घर का खाना खाने पर जोर दें. साथ ही डाइट में दही, सीजनल फ्रूट्स और हरी सब्जियों जैसी न्यूट्रिएंट्स रिच चीजों का सेवन करें. जिससे आप फिट और हेल्दी रह सकेंगी.

भरपूर पानी पिएं

वर्किंग वुमन अक्सर काम में उलझकर समय पर पानी पीना भी भूल जाती हैं. जिससे आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकती हैं. इसलिए काम के दौरान बीच-बीच में पानी जरूर पीएं. वहीं दिन में 8-10 गिलास पानी पीकर आप खुद को हाइड्रेटेड और एनर्जेटिक रख सकती हैं.

तनाव मुक्त रहें

घर और ऑफिस का काम मैनेज करने के चक्कर में कई बार महिलाएं स्ट्रैस लेने लगती हैं. जिससे ना सिर्फ आपका मूड खराब हो जाता है बल्कि काम में भी पूरी तरह से मन नहीं लग पाता है. इसलिए काम के बीच में खुद को खुश रखने की कोशिश करें. जिससे आप तनाव मुक्त रह सकेंगी.

अर्धांगिनी एवं वामांगी

सनातन शास्त्रों में पत्नी को वामांगी कहा गया है, इस कारण पत्नी को पति के बायीं ओर बैठाने की बात कही जाती है। लेकिन हर कार्य में पत्नी का स्थान बायीं ओर नहीं होता। कई शुभ कामों में पत्नी पति के दायीं ओर भी बैठती है। अतः कब पत्नी का पति की दायीं तरफ बैठना है और कब बायीं तरफ बैठना है, आइए शास्त्रानुसार जानते हैं-:

इस समय दायीं ओर बैठती है पत्नी- :

शास्त्रों में बताया गया है कि कन्यादान, विवाह, पूजा-पाठ, अनुष्ठान, यज्ञकर्म, जातकर्म, नामकरण और अन्नप्राशन के दौरान पत्नी को पति के दायीं ओर (right side) बैठना चाहिए। इसकी वजह है कि ये सभी काम पारलौकिक माने जाते हैं और इसलिए इनमें पत्नी को दायीं ओर बैठाने की बात कही गई है।

इस समय बायीं और रहती पत्नी- :

इसके अलावा सोते समय, सभा में, सिंदूरदान, द्विरागमन, बड़ों का आशीर्वाद ग्रहण करते समय और भोजन के समय पत्नी को पति के बायीं ओर (left side) बैठना चाहिए क्योंकि ये कर्म संसारिक होते हैं। इनमें पत्नी को पति की बायीं तरफ बैठना चाहिए।

क्यों पत्नी कहलाती है अर्द्धांगिनी- :

पत्नी को अर्द्धांगिनी कहकर भी संबोधित किया जाता है. इसका सार है कि शादी के बाद एक पत्नी अपने पति के जीवन को खुद के साथ बांट लेती है. उसके सुख और दुख दोनों को भोगती है, उसके जीवन की हर परिस्थिति का हिस्सा बन जाती है. जीवन संगिनी बनकर पति के दायित्वों की भागीदार बन जाती है और उन्हें पूरी निष्ठा के साथ निभाती है. पत्नी के बिना पति का जीवन अधूरा होता है. इसलिए हमारे शास्त्रों में उसे अर्द्धांगिनी कहा गया है।

पत्नी क्यों कहलाती है वामांगी- :

सनातन शास्त्रों में महादेव के अर्धनारीश्वर रूप में उनके शरीर के बाएं हिस्से से स्त्री को उत्पन्न दिखाया जाता है. इस कारण पत्नी को वामांगी (Vamangi) कहा जाता है। वामांगी यानी जो पुरुष के शरीर के बाएं अंग का हिस्सा हो।।

प्रदूषण से वायरल हुआ घातक, बच्चों में बढ़ी एलर्जी... सांस लेने में दिक्कत; ऐसे करें बचाव

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में फैल रहे प्रदूषण की चपेट में बच्चे भी आ रहे हैं। प्रदूषण का वायरल अब घातक हो चुका है। छह साल तक के बच्चे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर के हर घर में वायरल के लक्षण हैं।

मौसमी बदलाव के बीच दिल्ली-एनसीआर में बढ़े प्रदूषण ने वायरल को और घातक बना दिया। मौजूदा समय में वायरल के लक्षण हर घर में हैं और इसके स्ट्रेन में आए बदलाव के कारण यह लंबे समय तक परेशान कर रहा है। ऐसे में अचानक खतरनाक हुए प्रदूषण ने वायरल की समस्या को दोगुना कर दिया। बच्चे वायरल के साथ एलर्जी का भी शिकार हो रहे हैं। इन बच्चों में सांस लेने में तकलीफ होने के साथ गले में खराश, शरीर में दर्द, बुखार जैसी परेशानी देखने को मिल रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस मौसम में वायरल काफी प्रभावी होता है। ऐसे में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है जो रोग को और बढ़ा देती है। यहीं कारण है कि अस्पताल में ऐसे बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि रोजाना ऐसे बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं। छह साल तक के बच्चों में सांस लेने की दिक्कत सहित अन्य परेशानी देखने को मिल रही है। वहीं आठ से 11 साल तक के बच्चों में बुखार, सिर दर्द, गले में खराश जैसी परेशानी हैं। उनका कहना है कि बच्चा जितना छोटा हैं समस्या उतनी ही गंभीर हो रही है।

छोटे बच्चे में पता नहीं चलती समस्या

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. चेतन ने कहा कि जिन बच्चों को पहले से न्यूमोनिया, छाती में दिक्कत की समस्या है। उन्हें प्रदूषण ज्यादा परेशान कर रहा है। इन बच्चों को प्रदूषित वातावरण से दूर रखने की जरूरत है। यह बच्चे ठीक होने के बाद भी बार-बार बीमार हो सकते हैं। इनमें सामान्य वायरल भी काफी गंभीर हो जाता है।

इनके रोगी ज्यादा ध्यान

- न्यूमोनिया के मरीज
- टीबी, दमा, अस्थमा के मरीज
- जिनके परिवार में श्वास रोग हो

कैसे करें पहचान

दो साल तक के बच्चे - पसली तेज जलना
छह साल तक के बच्चे - एलर्जी, बुखार, तेज खांसी, गले में दर्द
12 साल तक के बच्चे - बुखार, खांसी, गले में दर्द, आंखों में जलन

क्या करें

- बच्चों को बाहर खेलने न भेजे
- सुबह और शाम के समय बाहर दौड़ने से बचें
- घरों में प्रदूषण को आने से रोकें

छोटे बच्चों को दिक्कत क्यों

बड़ों के मुकाबले छोटे बच्चों का लंग्स काफी कमजोर होता है। यह प्रदूषक तत्व को छान नहीं पाते और लंग्स के टिशु से होते हुए आसानी से खून व ऑक्सीजन में मिलकर दिल, दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इन प्रदूषक तत्वों के कारण बच्चों में परेशानी होने की समस्या काफी ज्यादा रहती है। बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बड़े लोगों के मुकाबले काफी कम होती है और यह इन विषैले तत्व से लड़ नहीं पाते।

कम उम्र में प्रदूषण की मार बना देगी विकलांग

विशेषज्ञों का कहना है कि जितनी कम उम्र से बच्चा प्रदूषक तत्वों को शरीर में पहुंचाता है। उस बच्चों में मानसिक व न्यूरो समस्या होने की आशंका उतनी ही ज्यादा बढ़ जाती है। इन बच्चों में काम करने की क्षमता भी काफी कम हो जाती है।

पांच राज्यों में चुराए 100 से ज्यादा वाहन, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने वाहन चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान छेहरटा, अमृतसर निवासी मनिंदर सिंह (30), ओमेक्स सिटी, सेक्टर-15, बहादुरगढ़, निवासी तजेंदर सिंह उर्फ बॉबी (44), बैंक कॉलोनी, भिवानी निवासी जसविंदर सिंह उर्फ रोमी (36) और रानी तालाब, दिगाना, पीएस गंग्याल, जम्मू निवासी ताजुद्दीन (33) के रूप में हुई है। गिरोह के बदमाश स्कैनर के जरिए महंगी से महंगी कार को कुछ ही मिनटों में चुरा लेते थे। आरोपी चोरी की कार को जम्मू-कश्मीर सहित अन्य जगहों पर बेचते थे। इनके कब्जे से चोरी के नौ वाहन बरामद किए गए हैं। आरोपी पांच राज्यों में 100 से ज्यादा वाहन चुरा चुके हैं। अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि केएन काटजू मार्ग से चुराई गई क्रेटा कार के मामले की जांच शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सतेंद्र मोहन और इंस्पेक्टर कमल की देखरेख में एसआई गौरव, एएसआई शैलेंद्र और एएसआई गुलाब को सौंपी गई। एएसआई शैलेंद्र व गुलाब को मिली सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर सतेंद्र मोहन की टीम ने अमृतसर से मनिंदर को गिरफ्तार कर लिया। इसकी निशानदेही पर तजेंदर और जसविंदर को गिरफ्तार कर लिया गया। मनिंदर ने बताया कि उसने क्रेटा जम्मू में ताजुद्दीन को बेच दिया था। मनिंदर ने इन दोनों में पिछले 7-8 महीनों में नौ-दस गाड़ियां खरीदी थीं। वह कारें उसने अमृतसर, पंजाब और जम्मू में बेची थीं। पुलिस ने जम्मू में छापा कर क्रेटा कार बरामद कर ली फिर ताजुद्दीन को भी दबोच लिया। आरोपियों की निशानदेही पर नौ लग्जरी कारें बरामद की गई हैं। वाहन चोर गिरोह दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, जम्मू और पंजाब में सक्रिय था।

स्कैनर के जरिए कुछ ही मिनटों में चुरा लेते थे वाहन

आरोपियों ने गाड़ियों का लॉक तोड़ने के लिए विशेष रूप से स्क्रू ड्राइवर बना रखा है। बदमाश स्कैनर की मदद से रिमोट चाबी तैयार करते। इन चाबियों की मदद से कार को स्टार्ट करते फिर लेकर भाग जाते थे। तजेंदर के खिलाफ पहले से वाहन चोरी, स्नैचिंग और लूट के 29 मामले दर्ज हैं। इन सभी मामलों में गिरफ्तार हुआ है। आरोपी जसविंदर के खिलाफ पहले से लूट और झपटमारी के 22 मामलों में संलिप्त था। ताजुद्दीन नरवाल जम्मू में अपनी वर्कशॉप चलाता था।

मेट्रो ट्रेन में युवक युवती ने की आपत्तिजनक हरकत, टोकने पर बुजुर्ग को पीटा

नई दिल्ली। मेट्रो में आपत्तिजनक हरकत करते युवक-युवती को टोकने पर बुजुर्ग अनिल जयसवाल (62) की पिटाई कर दी गई। शिकायत पर पुलिस ने बुजुर्ग का मेडिकल करवाया है। पीड़ित के बयान पर आरोपियों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों को नोटिस देकर पाबंद किया है।अदालत की कार्रवाई के दौरान दोनों को पेश होने के लिए कहा गया है।

पुलिस को दी शिकायत में द्वारका मोड़ इलाके में रहने वाले बुजुर्ग ने बताया कि एक नवंबर की रात नौ बजे वह मेट्रो से घर जा रहे थे। वह बुजुर्गों वाली सीट पर बैठे थे। उनके सामने वाली सीट पर युवक और युवती बैठे थे। राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन से पटेल नगर मेट्रो स्टेशन के बीच में दोनों गलत हरकत करने लगे।इस पर उन्होंने दोनों को टोका और मोबाइल से फोटो खींच लिया। इससे नाराज युवक गाली-गलौज करने लगा। आरोपी ने उनका मोबाइल पटककर तोड़ दिया और पिटाई करने लगा। बुजुर्ग ने मेट्रो हेल्प बटन दबाकर सहायता मांगी। मेट्रो कर्मियों ने पटेल नगर मेट्रो स्टेशन पर तीनों को उतार लिया और पुलिस को सूचना दी। जांच में पता चला कि युवक लाजपत नगर का और युवती उत्तम नगर की रहने वाली है।

दिल्ली में हवा हुई दमघोंटू, गोपाल राय ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखकर किया ये अनुरोध

प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली के पर्यावर्ण मंत्री गोपाल राय ने एनसीआर राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ तुरंत बैठक बुलाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव को पत्र लिखा है।

दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा में लोगों को सांस लेना मुश्किल हो गया है। प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली के पर्यावर्ण मंत्री गोपाल राय ने एनसीआर राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ तुरंत बैठक बुलाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव को पत्र लिखा है। इसी के साथ उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया है कि वे पड़ोसी राज्यों से दिल्ली में बीएस छह मानदंडों का पालन न करने वाले वाहनों के प्रवेश पर प्रभावी ढंग से प्रतिबंध लगाएं और एनसीआर में भी ऐसे वाहनों पर प्रतिबंध लगाएं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में पिछले दो दिन से प्रदूषण के स्तर में बढोतरी दर्ज की जा रही थी। राहत की बात ये है की आज इस स्तर में गिरावट देखी गई है। दिल्ली से ज्यादा प्रदूषण दिल्ली के बाहर फैला हुआ है। ग्रेप तीन के तहत कई बड़े फैसले लिए गए हैं। भाजपा के नेता सीपी के स्मॉग टॉवर बंद होने पर सरकार पर झूठा आरोप लगा रहे हैं। कनॉट प्लेस स्थित स्मॉग टावर के बारे में जानकारी देते हुए गोपाल राय ने कहा कि सभी परंपराओं का उल्लंघन करते हुए केंद्र सरकार ने अश्विनी कुमार को डीपीसीसी (दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति) का अध्यक्ष नियुक्त किया। अपनी महाशक्ति का इस्तेमाल करते हुए अश्विनी कुमार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया और स्मॉग टावर के अध्ययन के लिए भुगतान को रोक दिया।

विधायक की पत्नी को गिरफ्तार करने पर फूटा केजरीवाल का गुस्सा, कहा- BJP ने आदिवासी समाज पर किया हमला

परिवहन विशेष न्यूज

गुजरात में आप विधायक चैतर वसावा की पत्नी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। उन पर वनकर्मियों को धमकाने और अवैध हथियार से फायरिंग करने के आरोप हैं। इस पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि भाजपा ने ये हमला चैतर वसावा पर नहीं बल्कि पूरे आदिवासी समाज पर किया है।

नई दिल्ली। गुजरात में आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा की पत्नी को शुक्रवार को नर्मदा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनकी गिरफ्तारी पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा- भाजपा ने कल आप के विधायक और आदिवासी समाज के बड़े नेता चैतर वसावा के खिलाफ झूठा मुकदमा किया। चैतर भाई की धर्मपत्नी तक को गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने लिखा कि भाजपा ने कभी आदिवासी को आगे नहीं आने दिया। सिर्फ उनका शोषण किया। आप ने आदिवासी समाज के बेटे को आगे बढ़ाया तो भाजपा को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। सारा आदिवासी समाज भाजपा से इसका हिसाब लेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ये हमला चैतर वसावा पर नहीं बल्कि पूरे आदिवासी समाज पर किया है।

केजरीवाल ने गुजरात के आप प्रभारी और राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक के पोस्ट को रीपोस्ट किया था। इसमें पाठक ने लिखा था- गुजरात में भी बदले की भावना से भाजपा ने आम आदमी पार्टी के विधायक और आदिवासी समाज के बड़े नेता भाई चैतर वसावा के खिलाफ झूठा मुकदमा दाखिल किया है। भाजपा और मोदी इस हद तक गिर चुके हैं कि चैतर भाई की धर्मपत्नी तक को गिरफ्तार कर लिया है।

भाजपा को जनता सबक सिखाएगीः पाठक

डॉ. पाठक ने लिखा कि ये हरकतें मोदी की चुनाव अभियान का हिस्सा है। ये चैतर भाई को चुनाव से बाहर रखने का और उन्हें तोड़ने का हथकंडा है। सारा आदिवासी समाज और सारा गुजरात अपने इस उभरते और काबिल नेता के खिलाफ षड्यंत्र बर्दाश्त नहीं करेगी। जनता भाजपा को सबक सिखाएगी।

विधायक और उनकी पत्नी पर है ये आरोप

बता दें, विधायक चैतर वसावा की पत्नी को शुक्रवार को नर्मदा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। विधायक और उनकी पत्नी पर 30 अक्टूबर को बोगज गांव में वन कर्मियों को धमकी देने, पुलिस के काम में बाधा पहुंचाने और अवैध रिवॉल्वर से फायरिंग करने का आरोप है।

आरोपी को दोषी ठहराने के लिए दुष्कर्म पीड़िता की गवाही पर्याप्त, कोर्ट ने लापरवाही पर जांच

कड़कड़डूमा कोर्ट ने दुष्कर्म के एक केस की सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के जांच अधिकारी (आइओ) को जमकर फटकार लगाई। न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि दुष्कर्म पीड़िता के साक्ष्य को प्रमुखता से ध्यान में रखना चाहिए। जांच अधिकारी ने शिकायत के आधार पर ही निष्कर्ष निकाल लिया।

पूर्वी दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने दुष्कर्म के एक केस की सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के जांच अधिकारी (आइओ) को जमकर फटकार लगाई। जांच करने के तरीके पर भी कोर्ट ने सवाल खड़े किए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय कुमार झा के कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि दुष्कर्म पीड़िता की गवाही, आरोपी को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त होती है। यह कानूनी सिद्धांत कोर्ट के लिए होता है, जांच एजेंसियों के लिए नहीं।

यह टिप्पणी कोर्ट ने दुष्कर्म के धमेंद्र नाम के आरोपित को जमानत देते हुए की। युवक पर आरोप था कि उसने शादी का वादा करके नशीला पदार्थ देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया था। कोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म जघन्य अपराध है। कानून में इसकी सजा दस वर्ष है, जिसको उम्रकैद भी बदला जा सकता है।

अधूरी जांच के बाद निकाला निष्कर्ष

कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी को जांच करते हुए शिकायतकर्ता के हर एक तथ्य की जांच करनी चाहिए थी। बहुत ही खराब तरीके से इस मामले की जांच की गई है। दुष्कर्म पीड़िता के सीआरपीसी की 164 के तहत होने वाले बयान कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल करने के लिए काफी नहीं है। शिकायतकर्ता के आरोप के आधार पर ही जांच अधिकारी ने अधूरी जांच करके अपना निष्कर्ष निकाल लिया।

पीड़िता के साक्ष्य को प्रमुखता से ध्यान में रखेंः कोर्ट

न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि दुष्कर्म पीड़िता के साक्ष्य को प्रमुखता से ध्यान में रखना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता का आरोप है कि नशीला पदार्थ दिया गया था। वह किस तरह का नशीला पदार्थ था? किस चीज में मिलाकर उस पदार्थ को दिया गया था? किस दुकान से खरीदा गया था? इन सभी बिंदुओं पर कोई जांच नहीं हुई। गवाह झूठ बोल सकते हैं, लेकिन हालात नहीं।

क्राइम ब्रांच ने कुछ माह पहले इसके खिलाफ आर्म्स एक्ट व रंगदारी मांगने की धाराओं में मामला दर्ज किया था।

कारोबारी से एक करोड़ रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार, आरोपी कुख्यात गोगी गिरोह का है शूटर

रोहिणी के एक कारोबारी से रंगदारी मांगने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अमित पर पहले से दो मामले दर्ज हैं। वह गोगी गिरोह का सक्रिय सदस्य है। बदमाशों ने गांव लाडपुर स्थित उनके घर के मुख्य द्वार के बाहर आकर हवाई फायरिंग की और एक करोड़ की रंगदारी देने की पर्चियां फेंक गया।

नईदिल्ली। लाडपुर रोहिणी के रहने वाले एक व्यवसायी से एक करोड़ रुपये रंगदारी मांगने वाले कुख्यात गैंगस्टर जितेंद्र उर्फ गोगी गिरोह के एक शूटर को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ पहले से दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। बदमाश के कब्जे से एक लोडेड पिस्टल बरामद की गई है।

विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए बदमाश का नाम अमित उर्फ मिट्ठू है। वह दिल्ली के माजरा डबास का रहने वाला है। यह कंझावला के गंभीर अपराध में शामिल था। क्राइम ब्रांच ने कुछ माह पहले इसके खिलाफ आर्म्स एक्ट व रंगदारी मांगने की धाराओं में मामला दर्ज किया था।

24 अक्टूबर को लाडपुर, रोहिणी के रहने वाले एक व्यवसायी ने कंझावला पुलिस से शिकायत कर बताया था कि 23 अक्टूबर को कुछ बदमाशों ने गांव लाडपुर स्थित उसके घर के मुख्य द्वार के बाहर आकर हवाई फायरिंग की। उसके घर के दरवाजे के बाहर दो खाली कारतूस और तीन पर्ची मिलीं, जिसमें एक करोड़ की रंगदारी की मांग की गई थी।

पर्चियों में बदमाशों ने गोगी गिरोह के सदस्य दीपक उर्फ तीतर और दिनेश कराला के नाम का जिक्र करते हुए एक करोड़ रुपये रंगदारी देने की धमकी दी थी। पर्ची में धमकी भरा संदेश लिखा था कि मांग पूरी ना होने पर अगली बार उसके परिवार में किसी एक के सीने पर गोली चलाई जाएगी। जिसके बाद मामला दर्ज करा दिया गया था।

अमित के रोहिणी आने की सूचना मिली

शिकायतकर्ता ने बताया कि पहले भी इसी तरह की उन्हें धमकियां रंगदारी की मांग की गई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अपराध शाखा की टीम को संदिग्धों पर कड़ी निगरानी रखने व उन्हें पकड़ने का काम सौंपा गया। क्राइम ब्रांच जांच कर रही थी कि एसआइ प्रदीप दहिया को सूचना मिली कि कंझावला में रंगदारी मांगने के मामले में शामिल अमित अपने साथियों से मिलने द्वारकाधीश अपार्टमेंट, सेक्टर 26, रोहिणी के पास आने वाला है। अगर समय में कार्रवाई की जाए तो उसे पकड़ा जा सकता है।

अमित ने कारोबारी के घर की रेकी की

पूछताछ में अमित ने बताया कि वह गोगी गिरोह के लिए काम करता है। हाल ही में उसे गोगी गिरोह के सदस्य मोहित द्वारा गिरोह के अन्य सदस्य कुलवंत और मंजीत की दिल्ली में एक व्यापारी के घर की पहचान कराने में उनकी मदद करने और जबरन वसूली के लिए चोरी की बाइक की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया था। उसके बाद वह कंझावला में कुलवंत से मिला और लाडपुर में रहने वाले व्यवसायी के घर की रेकी की।

2020 में अमित गोगी गिरोह के संपर्क में आया

अपराध शाखा ने गत दिनों कुलवंत को गिरफ्तार कर लिया था। कुलवंत और मंजीत के साथ मिलकर उसने व्यवसायी के घर के सामने गोलियां चलाईं और धमकी भरी तीन पर्ची रख दी थी। अमित 2020 में दीपक उर्फ तीतर (गोगी गिरोह) के संपर्क में आया था। वह आसानी से पैसे कमाने के लिए अपराध की दुनिया में शामिल हो गया था।

दिल्ली-एनसीआर को केंद्र ने दी राहत, मदर डेयरी पर मिलेगी आलू के भाव में प्याज

दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी के आउटलेट्स पर 25 रुपये किलो में प्याज मिलेगी। केंद्र सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों पर आम जनता को बड़ी राहत दी है।

दिल्ली-एनसीआर में प्याज की बढ़ती कीमतों पर केंद्र सरकार की ओर से बड़ी राहत दी गई है। केंद्र ने शनिवार को कहा कि दिल्ली एनसीआर में मदर डेयरी के सफल आउटलेट पर इसी सप्ताह से 25 रुपये किलो में प्याज मिलेगी। इससे पहले भी केंद्र सरकार की मदद से देश के अन्य राज्यों में भी सब्सिडी पर प्याज बेची जा रही है।

नेफेड के मुताबिक, देश के 21 राज्यों के 55 शहरों में मोबाइल वैन और स्टेशन आउटलेट पर सस्ती प्याज बेची जा रही है। वहीं एनसीसीएफ ने 20 राज्यों के 54 शहरों में 457 रिटेल प्वाइंट बनाए हैं, जहां पर प्याज सस्ते दामों पर बेची जा रही है।

बीती तीन नंबर से दिल्ली एनसीआर के कई आउटलेट्स पर केंद्रीय भंडार ने खुदरा बाजार की कीमतों पर प्याज बेचना शुरू कर दी है। इसी सप्ताह से सफल मदर डेयरी भी शुरू कर रही है।

एल्विश यादव से कोटा पुलिस ने की पूछताछ

उसके बाद छोड़ा; नोएडा पुलिस को भी दी गई सूचना

यूट्यूबर (Youtuber) विनर एल्विश यादव (Elvish Yadav) को राजस्थान की कोटा पुलिस ने पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि वाहनों की चेकिंग के दौरान एल्विश से पूछताछ की। एल्विश के बारे में पता चला कि उस पर नोएडा में केस दर्ज है। इसके चलते नोएडा पुलिस को सूचना दी गई फिर वहां से बताया कि वह अभी वांछित नहीं और मामले में जांच चल रही है।

नोएडा। यूट्यूबर (Youtuber) और बिग बॉस सीजन-2 के विनर एल्विश यादव (Elvish Yadav) को राजस्थान की कोटा पुलिस ने पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि वाहनों की चेकिंग के दौरान एल्विश से पूछताछ की। एल्विश के बारे में पता चला कि उस पर नोएडा में केस दर्ज है। इसके चलते नोएडा पुलिस को सूचना दी गई, फिर वहां से बताया कि वह अभी वांछित नहीं और मामले में जांच चल रही है। इसके चलते उसे छोड़ दिया गया।

यूट्यूबर पर रेव पार्टी में सांपों के जहर की सप्लाई करने का आरोप है। मामले में उसके खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है।

रेव पार्टी में सांप के जहर की सप्लाई करने के मामले में नोएडा पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें बिग बॉस ओटीटी विनर एल्विश यादव के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के बाद नोएडा पुलिस एल्विश यादव की तलाश कर रही है।

25 एमएल जहर भी बरामद हुआ

बता दें कि नोएडा पुलिस ने गुरुवार को सेफरन वेडिंग विला में रेव पार्टी के लिए सांप के जहर की सप्लाई करने वाले गिरोह को पकड़ा है। वन विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने छह तस्करों के पास से पांच कोबरा, दो दो मुहे सांप, एक लाल सांप, एक अजगर को पकड़ा है। इनके पास से प्लास्टिक की बोतल में 25 एमएल जहर बरामद किया है।

डीसीपी ने बताया पूरा मामला

डीसीपी राम बदन सिंह ने कहा कि गौरव गुप्ता द्वारा एक एफआईआर दर्ज की गई थी। एनिमल वेलफेयर एसोसिएशन के एक पदाधिकारी ने बताया कि उन्होंने सांपों की व्यवस्था करने के लिए एल्विश यादव से संपर्क किया था। इस पर उसने राहुल यादव नाम के एक व्यक्ति का नाम बताया था, जिनसे संपर्क किया गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में भाजपा सांसद और पीपल्स फॉर एनिमल की फाउंडर चेयरपर्सन मेनका गांधी ने बताया कि एक सप्ताह पहले हमने पुलिस की मदद से मथुरा के वृंदावन में छापेमारी की थी। आठ सांपों के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इन्हीं लोगों ने बताया था कि इनका गैंग रेव पार्टियों में सांपों का जहर सप्लाई करता है। जहर का इस्तेमाल ड्रग्स में होता है।

मेरे नाम का व्रत क्यों नहीं रखा, कहकर युवती से की छेड़खानी

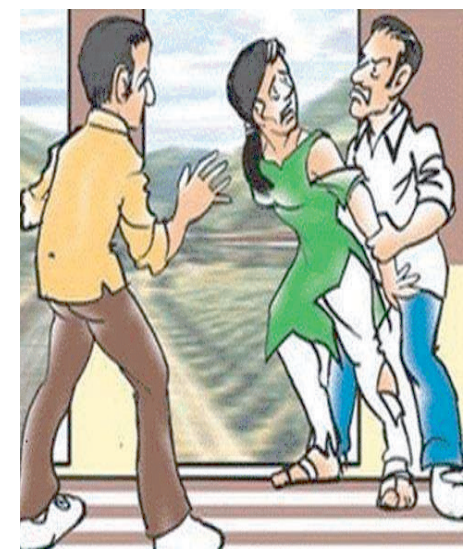

गाजियाबाद। कोतवाली क्षेत्र की कॉलोनी में करवाचौथ के दिन अपनी छत पर गईं बहनों से दबंग ने छेड़खानी की। युवती का हाथ पकड़कर अपनी छत की ओर खींचा और कहा कि करवाचौथ पर इस बार उसने उसके नाम का व्रत क्यों नहीं रखा। मामले में हर्ष समेत चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। युवती ने बताया कि करवाचौथ पर उनकी मां ने व्रत रखा था। वह अपनी बहन के साथ छत पर चांद को देखने के लिए गई थीं तभी पड़ोसी हर्ष अपने एक साथी के साथ छत पर आया और टिप्पणी करने लगा। युवती से कहा कि उसने करवाचौथ पर उसके नाम का व्रत क्यों नहीं रखा। इतना ही नही, उसने हाथ पकड़कर युवती को अपनी छत पर खींचने की कोशिश की। युवती की मां, पिता व बहन ने उसको शोर मचाकर बचाया। मामले में युवती के पिता ने हर्ष, चीनू समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पिता ने बताया कि हर्ष चोरी, छेड़खानी के कई मामलों में पहले भी जेल जा चुका है। लगातार वह इस तरह की घटनाओं को अंजाम देता रहा है। एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

ठेकेदार के उत्पीड़न से परेशान युवती चौथी मंजिल से कूदी, मौत

साहिबाबाद। औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार शाम कपड़े की एक फैक्टरी में उत्पीड़न से परेशान युवती ने चौथी मंजिल से कूद कर जान दे दी। दोपहर तक कंपनी में काम करने के बाद वह चौथी मंजिल पर पहुंची थी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच की। लिंक रोड पुलिस ने ठेकेदार को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि बरेली की रहने वाली युवती थाना क्षेत्र में पिता और दो बहनों के साथ दो साल से किराये के कमरे में रहती थी। तीनों बहनें कपड़े की फैक्टरी में काम करती थीं। पुलिस ने बताया कि कंपनी का ठेकेदार युवती का उत्पीड़न कर रहा था। इससे परेशान होकर उसने चौथी मंजिल से कूद गई। सड़क पर गिरते ही आवाज सुनकर सुरक्षा गार्ड और पास की फैक्टरी के लोग उसे बचाने दौड़े लेकिन लहूलुहान हालत में युवती ने मौके पर दम तोड़ दिया। कंपनी मालिक और अन्य लोग घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

ठेकेदार ने भागने का प्रयास किया, पुलिस ने दबोचा :

पुलिस की जांच में ठेकेदार का नाम सामने आया था। वहीं, युवती के कूदने की सूचना पर ठेकेदार दूसरी जगह भागने की फिराक में था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

शिकायत मिलने और दर्ज होगा मुकदमा :

एसीपी साहिबाबाद भास्कर वर्मा का कहना है कि युवती का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद परिजनों की लिखित शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

नियमों के विपरीत 24 सीएचसओ को किया 33.90 लाख भुगतान, रिकवरी के आदेश

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर के प्रभारी चिकित्साधिकारी ने उच्च अधिकारियों के रोक के बावजूद नियम विपरीत 24 सीएचओ को 33.90 लाख रुपये का भुगतान जुलाई में कर दिया। मामले में मेरठ मंडल के संयुक्त निदेशक सहित तीन अधिकारियों की टीम ने जांच रिपोर्ट सीएमओ को सौंपते हुए भुगतान की रिकवरी का आदेश दिया है, साथ ही दो अधिकारियों से मामले की दोबारा जांच का निर्देश दिया है।

मेरठ मंडल के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार संयुक्त निदेशक राजेंद्र कुमार सिंह ने 27 अक्तूबर को सीएमओ डॉ.भवतोष शंखधार को भेजी जांच रिपोर्ट में कहा है कि प्रभारी चिकित्साधिकारी भोजपुर ने ब्लॉक में कार्यरत 24 कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) को प्रोत्साहन राशि का भुगतान ई-कवच पोर्टल पर डिजिटल अनुमोदन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (एचडब्ल्यूसी) का किया है। जो पोर्टल से अवलोकन किए बिना ही लापरवाही पूर्ण तरीके से किया गया है। संयुक्त निदेशक ने कहा है कि इसके पहले की गई लापरवाही में सुधार करने का निर्देश 11 सितंबर को दिया गया था। इसके बावजूद गलत तरीके से भुगतान किया गया। संयुक्त निदेशक ने जांच रिपोर्ट में कहा है कि प्रभारी चिकित्साधिकारी भोजपुर जानबूझकर उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना कर रहे हैं।

सीएमओ को निर्देश दिया है कि जिला कार्यक्रम प्रबंधक और जिला लेखा प्रबंधक की टीम गठित कर मामले की जांच कराएं और दोषी पाए जाने पर नियम विरुद्ध भुगतान की रिकवरी कराने के साथ ही की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराएं। जांच टीम में एनएचएम के मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक अरविंद गोस्वामी, शहरी स्वास्थ्य सलाहकार प्रदीप कुमार और कम्युनिटी प्रोसेस के क्षेत्रीय प्रबंधक अबरीश कुमार शामिल थे।

इस मामले में सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधार का कहना है कि पूरे प्रकरण की जांच के लिए टीम बना दी गई है। एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट देंगे, उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

भोजपुर ब्लॉक में सीएचओ को किया गया भुगतान

स्वास्थ्य केंद्र सीएचओ भुगतान
बड़ायला पायल शिशौदिया 14500
भदोला राहुल कुमार 14000
भाला गजेंद्र गोठवाल 14000
भटजन मनमोहन बैरवा 14000
फफराना कुमारी याचना 13000
फरीदनगर-1 संजू रानवा 14500
फरीदनगर- 2 आयुषी शर्मा 14500
फजलगढ़ राजकुमार यादव 14000
गदाना ज्योति 14000
इशाक नगर विक्रम रानवा 14500
जोया अंकिता बिष्ट 13000
कादराबाद नीति 14000
कलछीना-2 पंकज राउत 15000
खंजरपुर महेंद्र 14000
किल्हौड़ा विदुषी चौधरी 14500
मुरादाबाद सूरज सिंह 14000
नंगला बैर शैली वर्मा 14500
पट्टी रेखा पाल 13000
रोरी चित्रा शर्मा 1400
शाहजहांपुर भोलाराम सैनी 15000
शकूरपुर अनिल वर्मा 14000
शेरपुर कौशल शर्मा 14000
तिबड़ा सिमरन शर्मा 14000

गुरुग्राम में विश्व के पहले स्वर्ण जगन्नाथ मंदिर का शिलान्यास, पांच साल में बनकर तैयार होगा

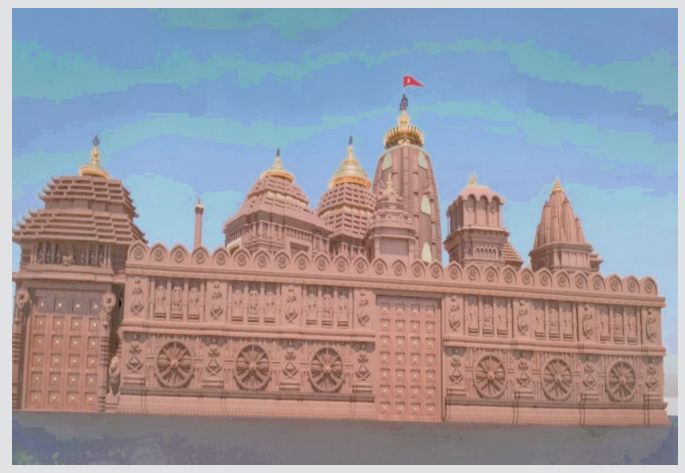

गुरुग्राम के सेक्टर 15 में विश्व के पहले स्वर्ण जगन्नाथ मंदिर का शिलान्यास किया गया है। यह दिव्य मंदिर युवाओं में सनातन सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को फैलाने के प्रति श्रीश्री जगन्नाथ सेवा संघ की समर्पण भावना का प्रतीक है।

गुरुग्राम। सेक्टर 15 में विश्व के पहले स्वर्ण जगन्नाथ मंदिर का शिलान्यास किया गया है। यह दिव्य मंदिर युवाओं में सनातन सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को फैलाने के प्रति श्रीश्री जगन्नाथ सेवा संघ की समर्पण भावना का प्रतीक है।

भारतीय नैतिकता की पोषण स्थली है- सुरेश जैन

शिलान्यास समारोह में भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठन सचिव और आरएसएस के प्रचारक सुरेश जैन को मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह दिव्य पहल सिर्फ पत्थर और सोने का निर्माण नहीं है, बल्कि सनातन मूल्यों और भारतीय नैतिकता की पोषण स्थली भी है।

121 करोड़ रुपये होगी लागत

मंदिर के अध्यक्ष एपी मलिक ने बताया कि 121 करोड़ रुपये की लागत से यह मंदिर पांच साल में बनकर तैयार हो जाएगा। समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा सांसद प्रताप चंद्र सारंगी, दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन बलराम पानी, निवर्तमान मेयर मधु आजाद, आइएएस धर्मेंद्र सिंह, ओडिशा भाजपा के पूर्व राज्य अध्यक्ष समीर मोहंती, प्रिंसिपल कमीशनर आफ आइटी दिल्ली प्रफुल्ल कुमार प्रस्ती, बीकानेरवाला के संस्थापक नवरतन अग्रवाल, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते वैभव शास्त्री व अन्य लोग मौजूद रहे।

यूपी में जातीय जनगणना के नाम पर ओबीसी सियासत को नये आयाम दे रही है कांग्रेस

कांग्रेस का 'स्वभाव' बिल्कुल बदल गया है। वह येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाने से गुरेज नहीं करती है। जबसे बिहार में जातीय जनगणना के नतीजे आये हैं तबसे जातीय जनगणना कराये जाने को लेकर कांग्रेस में उतावलापन कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है।

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है लेकिन ओबीसी वोटर कभी किसी पार्टी के 'बंधुआ' बनकर नहीं रहे। परंतु जिसके भी साथ रहे उसकी तकदीर बदल दी और जिसका साथ छोड़ दिया वह कहीं का नहीं बचा। एक समय ओबीसी कांग्रेस का मजबूत वोटर हुआ करता था। अस्सी के दशक तक ओबीसी वोटरों का साथ कांग्रेस को मिलता रहा, जिसके बल पर कांग्रेस ने 1989 तक यूपी में सत्ता सुख उठाया, इसके बाद राम मंदिर की राजनीति में ओबीसी पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी के साथ हो गया। वहीं ओबीसी में आने वाले करीब 8 फीसदी यादव वोटर समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ गये, जो आज तक इमोशनल वजह से सपा के साथ लगाव रखता है, क्योंकि सपा की मुख्य लीडरशिप यादव बिरादरी से ताल्लुक रखती है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार यूपी में ओबीसी वोटरों की आबादी करीब 42 फीसदी है इसीलिए इस वर्ग का मोह कोई छोड़ नहीं पाता है। यह कहने में भी किसी को संकोच नहीं होगा कि आज बीजेपी ओर मोदी जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ओबीसी वोटर ही हैं, जो पूरी तरह से बीजेपी के साथ लामबंद हैं। इसी वोट बैंक में सेंधमारी के लिए कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व लगातार प्रयासरत है। कांग्रेस द्वारा जातीय जनगणना की मांग भी इसीलिए की जा रही है ताकि बीजेपी के ओबीसी वोटरों को अपने (कांग्रेस) पाले में खींचा जा सके। इसको लेकर राहुल गांधी लगातार बयानबाजी करते रहते हैं, जबकि एक समय कांग्रेस जातीय जनगणना के बिल्कुल खिलाफ हुआ करती थी। कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जातीय जनगणना की मांग को विघटनकारी मानकर इसका सदैव विरोध करते रहे थे जबकि जातीय राजनीति करने वाले तमाम क्षेत्रीय दल जातीय जनगणना की वकालत में लगे रहते थे। इसमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव से लेकर राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव जैसे नेता शामिल थे। मगर इन नेताओं ने सत्ता में रहते हुए कभी भी जातीय जनणना कराये जाने की ठोस शुरुआत नहीं की थी क्योंकि वह जानते थे कि जातीय जनगणना कराये जाने की मांग करके सियासी फायदा तो उठाया जा सकता है, लेकिन इसके सहारे सत्ता चलाना कभी आसान नहीं रहेगा।

खैर, आज की कांग्रेस का 'स्वभाव' बिल्कुल बदल गया है। वह येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाने से गुरेज नहीं करती है। जबसे बिहार में जातीय जनगणना के नतीजे आये हैं तबसे जातीय जनगणना कराये जाने को लेकर कांग्रेस में उतावलापन कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। कांग्रेस जातीय जनगणना को मुद्दा बनाकर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भी बिसात बिछाने की तैयारी कर रही है, इसीलिए जातीय जनगणना पर अपनी नीति साफ करने और आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए यूपी कांग्रेस लगातार ओबीसी वोटरों को लामबंद करने में लगी है। इसी क्रम में 30 अक्टूबर को लखनऊ के गांधी भवन सभागार में हुए कांग्रेस के राज्य स्तरीय पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में तय किया गया है कि जातीय जनगणना की मांग को लेकर योगी सरकार पर दबाव बनाने के लिए पिछड़ों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा। कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश भर के ओबीसी नेताओं की जुटान देखने को मिली। यूपी कांग्रेस के इस सम्मेलन में जातीय जनगणना और ओबीसी समाज को लेकर आगे के कार्यक्रम के स्वरूप पर चर्चा के साथ तय किया गया कि इस मुद्दे पर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनसभा करके जातीय जनगणना के फायदे और कांग्रेस के एजेंडे से वाकिफ कराया जायेगा।

गौरतलब है कि यूपी कांग्रेस जातिगत जनगणना की मांग को लेकर इस साल मई से कार्यक्रम चला रही है। मंडलवार सम्मेलनों के बाद जिलावार सम्मेलन किए गए थे। इसमें कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना की मांग पर राय स्पष्ट की गई और लोगों को ओबीसी समाज के लिए कांग्रेस की नीतियों से अवगत करवाया गया। अब कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर और निचले स्तर पर जाना चाहती है। यूपी कांग्रेस द्वारा अब तक कराये गये कार्यक्रमों में ओबीसी समाज के लिए कांग्रेस की नीति साफ करने के लिए पर्चे बांटे गए थे। इसमें प्रदेश कांग्रेस की तरफ से बताया गया था कि अब तक कांग्रेस ने ओबीसी समाज के लिए क्या किया है। इन पर्चों में मंडल कमीशन के अध्यक्ष रहे बिहार के पूर्व सीएम बीपी मंडल के पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी को लिखे पत्र का भी जिक्र है, जिसमें उन्होंने कहा कि तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के प्रशासनिक और व्यक्तिगत सहयोग के बिना मंडल कमीशन की रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकती थी।

लब्बोलुआब यह है कि अपनी स्थापना के करीब सवा सौ साल बाद कांग्रेस पहली बार खुलकर ओबीसी राजनीति के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। उदयपुर और फिर रायपुर सम्मेलन में कांग्रेस के राजनीतिक प्रस्तावों में जातिगत जनगणना को लेकर प्रस्ताव पास हुए थे। कांग्रेस की पिछली कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में भी जातिगत जनगणना की मांग पर चर्चा हुई थी और इसकी मांगों को लेकर कार्यक्रम किए जाने पर सहमति बनी थी। यूपी में इस मसले पर अलग-अलग कार्यक्रम जारी हुए और इसे चुनाव तक आगे जारी रखने की योजना बनाई गई है। देखना यह है कि कांग्रेस का यह दांव ओबीसी वोटरों को कितना प्रभावित करता है, वैसे कुछ हद तक इसकी तस्वीर पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव से भी साफ हो जायेगी, जहां कांग्रेस ने जातीय जनगणना को बड़ा मुद्दा बनाया है और सत्ता में आने पर जातीय जनगणना कराये जाने का दावा कर रही है।

मारुति एस प्रेस्सो की खरीद पर मिल रही 50 हजार रुपये तक की छूट

2022 मारुति एस-प्रेसो में ड्राइवर और यात्री सुरक्षा के लिए कई सेफ्टी फीचर्स को शामिल किया गया है। इसके ऑटोमैटिक वेरिएंट्स में आपको हिल होल्ड असिस्ट के साथ इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ओआरवीएम (आउटसाइड रियर-व्यू मिरर) मिलते हैं। इंजन की बात करें तो S-Presso को अगली पीढ़ी का K-सीरीज वाला 1.0 लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है। यह इंजन 66bhp की पावर और 89Nm का टार्क जनरेट करने में सक्षम है।

नई दिल्ली। इस दिवाली अगर आप किफायती कीमत में आने वाली मारुति की कार Maruti S-Presso खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आप सही जगह पर हैं। क्योंकि इस दिवाली Maruti S-Presso की खरीद पर भारी छूट मिल रही है।

Maruti S-Presso डिस्काउंट ऑफर

Maruti S-Presso खरीदने वाले ग्राहक कुल 50,000 रुपये का लाभ उठा सकते हैं, जिसमें 30,000 रुपये की नकद छूट, 20,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस और 4,000 रुपये तक की कॉर्पोरेट छूट शामिल है।

Maruti S-Presso सेफ्टी फीचर्स

2022 मारुति एस-प्रेसो में ड्राइवर और यात्री सुरक्षा के लिए कई सेफ्टी फीचर्स को शामिल किया गया है। इसके ऑटोमैटिक वेरिएंट्स में आपको हिल होल्ड असिस्ट के साथ इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ओआरवीएम (आउटसाइड रियर-व्यू मिरर) मिलते हैं।

S-Presso का इंजन कितना दमदार?

इंजन की बात करें तो S-Presso को अगली पीढ़ी का K-सीरीज वाला 1.0 लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है। यह इंजन 66bhp की पावर और 89Nm का टार्क जनरेट करने में सक्षम है। ट्रांसमिशन के लिए इसे पांच-स्पीड मैनुअल और एक ऑटोमैटिक यूनिट के साथ जोड़ा गया है।

S-Presso में शामिल हुआ है स्टार्ट/स्टॉप तकनीक

इस गाड़ी में खास फीचर मिलता है, जिसका नाम है आइडल स्टार्ट/स्टॉप तकनीक। इस तरह कार निर्माता ऑटोमैटिक वेरिएंट्स- Vxi(O) और Vxi प्लस (O)के लिए 25.30 किलोमीटर प्रति लीटर और मैन्युअल वेरिएंट- स्टैंडर्ड और Lxi MT के लिए 24.76 किलोमीटर प्रति लीटर तक की माइलेज देने का दावा करती है।

हुंडई की इन 8 गाड़ियों पर मिल रही तगड़ी छूट

इस दिवाली अगर आप हुंडई की कार खरीदते हैं तो आपको भारी छूट मिलने वाला है। हुंडई लगभग अपने सभी गाड़ियों पर डिस्काउंट ऑफर कर रही है। जिसमें आपकी फेवरेट गाड़ी भी शामिल है। यहां हम बताने जा रहे हैं हुंडई की उन 8 गाड़ियों के बारे में जिसपर कंपनी तगड़ी छूट दे रही है। आइये डिटेल में जानते हैं।

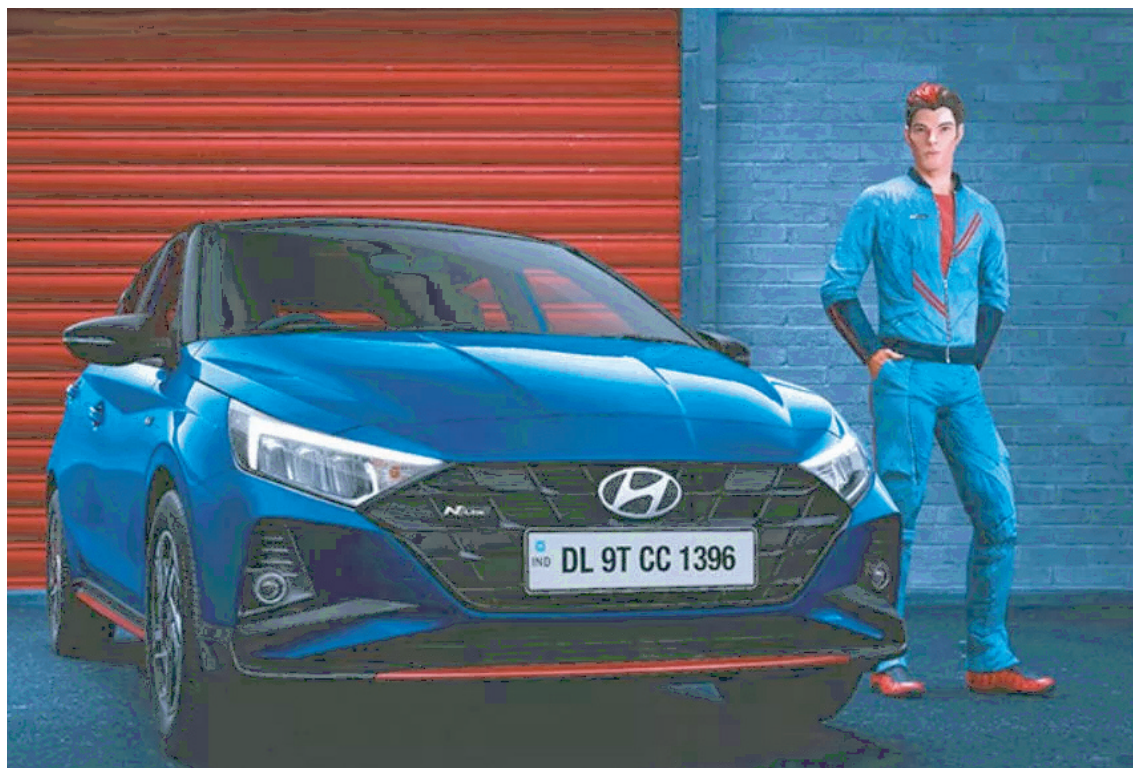

नई दिल्ली। हुंडई अपने सभी गाड़ियों पर बंपर डिस्काउंट दे रही है। अगर आप भी इस दिवाली हुंडई की नई कार खरीदना चाहते हैं तो आप सही जगह पर हैं, क्योंकि इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं हुंडई की उन 8 गाड़ियों के बारे में जिनपर तगड़ी छूट मिल रही है।

Hyundai Grand i10 Nios

Hyundai Grand i10 Nios कंपनी की एंट्री लेवल कार है। कंपनी इसपर 10,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस और3000 रुपये तक का कॉर्पोरेट डिस्काउंट दे रही है। ये ऑफर मैनुअल और एमएमटी वेरिएंट पर लागू है। हैचबैक के मैनुअल वेरिएंट पर कंपनी 30 हजार रुपये की कैश डिस्काउंट ऑफर कर रही है।

Hyundai i20

i20 के मैग्ना और स्पोर्टज़ वेरिएंट के लिए छूट उपलब्ध है, नवंबर 2023 के लिए कोई कॉर्पोरेट छूट नहीं है। स्पोर्टज़ मैनुअल वेरिएंट पर कंपनी 25 हजार रुपये की कैश डिस्काउंट ऑफर करती है। वहीं अगर आप DCT ऑटोमैटिक वेरिएंट लेते हैं तो आपको 30 हजार रुपये का कैश डिस्काउंट मिलेगा। हैचबैक के अन्य सभी वेरिएंट पर 10 हजार रुपये का कैश डिस्काउंट मिलेगा। Hyundai i20 N लाइन के चुनिंदा स्टॉक पर ग्राहक 50,000 रुपये की छूट प्राप्त कर सकते हैं।

Hyundai Aura

Hyundai Aura सीएनजी वेरिएंट पर 20 हजार रुपये तक की छूट मिलती है। वहीं अगर आप पेट्रोल वेरिएंट लेते हैं तो आपको 10 हजार रुपये कैश डिस्काउंट मिलेगा। इसके अलावा, 10 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस और 3 हजार रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल है।

Hyundai Verna

Hyundai Verna अगर आप खरीदते हैं तो आपको 20 हजार रुपये उपभोक्ता ऑफर और 25 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस मिलेगा।

Hyundai Alcazar

इस एसयूवी की खरीद पर ग्राहक 20 हजार रुपये का कन्ज्यूमर डिस्काउंट और 25 हजार रुपये का एक्सचेंज बोनस प्राप्त कर सकते हैं।

Hyundai Venue, and Creta

इन दोनों गाड़ियों पर डिस्काउंट डीलरशिप स्तर पर वेरिएंट के अनुसार ऑफर किया जा रहा है।

Hyundai Ioniq5 and Exter

Hyundai Ioniq5 और Exter को अगर आप इस दिवाली खरीदते हैं तो इसपर आपको छूट नहीं मिलेगी।

Kia EV6 facelift अगले साल हो सकती है पेश, साउथ कोरिया में हुई स्पॉट

इस EV6 फेसिलफ्ट के टेस्टिंग मूल को दक्षिण कोरिया में एक पार्किंग में स्पॉट किया गया है। हालांकि गाड़ी को पूरी तरह से कवर किया गया था हालांकि ऑटो एक्सपर्ट अपने हिसाब से काफी कुछ अंदाजा लगा रहे हैं। कयास लगाया जा रहा है कि ईवी 6 फेसलिफ्ट की फ्रंट डिजाइन में बदलाव देखने को मिल सकता है।

नई दिल्ली। Kia EV6 facelift अगले साल पेश होने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस अपकमिंग फेसलिफ्ट को लेकर कंपनी तेजी से काम कर रही है। किआ ईवी 6 को मार्केट से तगड़ा रिस्पॉन्स मिल रहा है। आइये जानते हैं Kia EV6 facelift इलेक्ट्रिक कार से जुड़ी कुछ डिटेल्स के बारे में।

साउथ कोरिया में स्पॉट हुई ये अपकमिंग कार

इस EV6 फेसिलफ्ट के टेस्टिंग मूल को दक्षिण कोरिया में एक पार्किंग में स्पॉट किया गया है। हालांकि गाड़ी को पूरी तरह से कवर किया गया था, हालांकि ऑटो एक्सपर्ट अपने हिसाब से काफी कुछ अंदाजा लगा रहे हैं। कयास लगाया जा रहा है कि ईवी 6 फेसलिफ्ट की फ्रंट डिजाइन में बदलाव देखने को मिल सकता है।

कब होगी पेश

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी इस गाड़ी को अगले साल तक पेश करने के फिराक में है, यही वजह है कि किआ इसकी टेस्टिंग जोरों-शोरों से कर रही है।

किआ EV6 लिमिटेड वेरिएंट

कंपनी ने इस स्पेशल वैरीअंट के बारे में अधिक जानकारी देते हुए कहा कि EV6 का 'फोकस्ड ऑन डिजाइन है। ये केवल 1,000 यूनिट्स तक सीमित है। 1,000 डिजाइन की पसंद वाले EV6s में शानदार इंटीरियर और एक्सटीरियर होगा।

किआ EV6 लिमिटेड वेरिएंट

आपको बता दें, क्वेल में प्रदर्शित होने वाली सीमित-संचालित ईवी 6 एकमात्र किआ नहीं होगी। किआ कैलिफोर्निया के मोंटेरे काउंटी में होने वाले इवेंट में अपनी हाल ही में सामने आई प्रोडक्शन-स्पेक ईवी9 फ्लैगशिप एसयूवी का प्रदर्शन करेगी।

किआ लाइनअप का नया फ्लैगशिप है

वहीं किआ EV9, जिसने पहली बार 2021 लॉस एंजिल्स मोटर शो में एक कॉन्सेप्ट वाहन के रूप में शुरुआत की, किआ लाइनअप का नया फ्लैगशिप है। ये एक दमदार कार है। इसकी लंबाई 5,015 मिमी, चौड़ाई 1,980 मिमी और ऊंचाई 1,780 मिमी और व्हीलबेस 3,100 मिमी

इस दिवाली घर ले आएं मारुति जिम्नी, कंपनी दे रही भारी डिस्काउंट; चेक करें

जेटा लाइनअप में एंट्री लेवल वेरिएंट है। जिसकी कीमत मैनुअल के लिए 12 .74 लाख रुपये और ऑटोमैटिक के लिए 13 .94 लाख रुपये है। सेल्स के मामले में भी इस गाड़ी का दायरा बढ़ता जा रहा है जहां कंपनी हर महीने इसके करीब 3 हजार यूनिट्स की सेल करती है। अगर आप भी इस गाड़ी को खरीदना चाहते हैं इस पर मिल रहे डिस्काउंट के बारे में यहां जानें।

नई दिल्ली। Maruti Jimny को इस साल के शुरूआत में ऑटो एक्सपो में लॉन्च किया गया था, जहां इसने खूब सुर्खियां बटोरी थी। अगर आप थार राइवल इस गाड़ी इस दिवाली अपने घर लाने का प्लान बना रहे हैं, ये सही समय है। क्योंकि इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं Maruti Jimny दिवाली डिस्काउंट ऑफर के बारे में।

कितनी है कीमत?

जेटा लाइनअप में एंट्री लेवल वेरिएंट है। जिसकी कीमत मैनुअल के लिए 12.74 लाख रुपये और ऑटोमैटिक के लिए 13.94 लाख रुपये है। सेल्स के मामले में भी इस गाड़ी का दायरा बढ़ता जा रहा है, जहां कंपनी हर महीने इसके करीब 3 हजार यूनिट्स की सेल करती है।

Maruti Jimny की अगर आप जेटा वेरिएंट खरीदते हैं तो आपको 50 हजार रुपये का substantial cash discount और 50 हजार रुपये का मैचिंग बोनस मिलेगा। वहीं अगर आप अल्फा ट्रिम की बात करें तो कंपनी इसपर 20 हजार रुपये की एक्सचेंज बोनस दे रही है।

Maruti Jimny Zeta

यह 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है जिसे 103bhp और 134Nm का टार्क जनरेट करती है। इंजन पांच-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन या चार-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर के साथ आती है। मारुति को ऑलग्रिप प्रो 4डब्ल्यूडी सिस्टम के माध्यम से सभी पहियों में स्थानांतरित किया जाता है। Maruti Suzuki Jimny 5-door कुल दो वेरिएंट्स जीटा और अल्फा में आती है।

मारुति जिम्नी में कौन-कौन से फीचर्स मिलेंगे?

फीचर्स की बात करें तो मारुति जिम्नी में सभी एडवांस फीचर्स देखने को मिलेंगे, जिसमें एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले, क्रूज़ कंट्रोल, वॉशर के साथ एलईडी हेडलैंप, सुजुकी कनेक्ट टेलीमैटिक्स, ईबीडी के साथ एबीएस, हिल होल्ड और हिल डिसेंट कंट्रोल, और सीमित के साथ नौ इंच के टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम से भरपूर है। केबिन का स्पेस भी ठीक-ठाक है।

भारत में भ्रष्टाचार और विपक्षी दल

योगेंद्र योगी

ईडी ने पिछले 9 साल में 5906 केस रजिस्टर्ड किए हैं, जिनमें सिर्फ तीन प्रतिशत केस ही राजनीतिक लोगों से संबंधित हैं'

देश के राजनीतिक दलों के नेता कितने भ्रष्ट हैं, इसका अंदाजा केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई छापेमारी से लगाया जा सकता है। भ्रष्टाचार राजनीतिक दलों के लिए नासूर बन चुका है। आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबे होने के बावजूद विपक्षी दलों को छापे की कार्रवाई में द्वेष नजर आता है। विपक्षी दल छापे पडने पर हायतौबा तो मचाते हैं किन्तु देश से समूल रूप से भ्रष्टाचार का खात्मा कैसे हो, इसका उपाय नहीं बताते। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ संयुक्त तौर पर लोकसभा चुनाव लडने का मंसूबा पाले विपक्षी दलों ने एक बार भी भ्रष्टाचार के संपूर्ण खात्मे की बात नहीं कही। इसके विपरीत सीबीआइ और ईडी की कार्रवाई पर सवाल जरूर खड़े किए हैं। इन एजेंसियों की कार्रवाई के खिलाफ विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट तक जा चुके हैं, किन्तु वहां भी इनकी दाल नहीं गल सकी। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी, अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी, लालू यादव का राष्ट्रीय जनता दल, सोनिया गांधी की कांग्रेस और फारूक अब्दुला की नेशनल कान्फ्रेंरस सहित सभी छह दल इंडिया एलायंस के मुख्य घटक हैं। इन सभी दलों के कई नेताओं और मंत्रियों पर सीबीआई और ईडी छापे मार चुकी है। इनमें से कई मंत्री-नेता जेल में बंद हैं।

ज्यादातर को जमानत तक नहीं मिल सकी है। शराब घोटाले में फंसे दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आप के दूसरे नेता लंबे अर्से से जमानत के लिए तरस रहे हैं। यही स्थिति भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त दूसरे दलों के नेताओं की है। नेताओं का बस चलता तो शायद भाजपा की तरह अदालतों पर भी मिलीभगत का आरोप लगा देते। मजबूरी और डर का ही परिणाम है कि लंबे अर्से से जेल में बंद होने के बावजूद अदालतों पर भेदभाव बरतने का आरोप नहीं लगा सके। ईडी और आयकर विभाग की नई कार्रवाई में पश्चिम बंगाल में ममता कैबिनेट में खाद्य मंत्री रथिन घोष के 13 ठिकानों पर छापे मारे गए। वहीं, इनकम टैक्स चोरी के मामले में आईटी डिपार्टमेंट की टीमों ने तमिलनाडु में 40 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी की। डीएमके सांसद एस. जगतरक्षकन के घर और ठिकानों पर छापेमारी की गई। तेलंगाना में बीआरएस की विधायक मंगती गोपीनाथ से संबंधित ठिकानों पर छापे पड़े। साथ ही कर्नाटक में डीसीसी बैंक के चेयरमैन मंजूनाथ गौड़ा के शिवमोगा स्थित आवास पर भी ईडी ने छापेमारी की। दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया शराब घोटाले में और जेल मंत्री सत्येन्द्र जैन मनी लॉन्ड्रिंग केस में लंबे समय से जेल में हैं। मनीष सिसोदिया ने गिरफ्तारी के तुरंत बाद इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को सत्येन्द्र जैन का भी इस्तीफा लेना पड़ा जो कि जेल मंत्री होते हुए साल भर से जेल में थे। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी शराब घोटाले में जेल में हैं।

ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाले के मामले में तलब किया है। पश्चिम बंगाल में पहले जहां शिक्षक भर्ती घोटाले में ममता सरकार के मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मंत्री पद से हटना पड़ा था, वहीं राशन वितरण घोटाले में पूर्व खाद्य मंत्री और मौजूदा वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक की गिरफ्तारी हो गई। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपने विरोधियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। ममता सरकार के मंत्री रहे पार्थ की सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के घर से 22 करोड़ रुपए और एक अन्य सहयोगी के घर से 28 करोड़ बरामद किए थे। पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी के समय ममता बनर्जी उन्हें तुरंत मंत्री पद से हटाने को मजबूर हो गई थी। दो साल पहले नारदा स्टिंग मामले में भी ममता सरकार के दो मंत्रियों सुब्रत मुखर्जी और फिरहाद हकीम को गिरफ्तार किया था। जब इन दोनों मंत्रियों और एक विधायक को गिरफ्तार किया गया था तब ममता बनर्जी ने कोलकाता के सीबीआई दफ्तर के सामने धरना दे दिया था। तृणमूल कांग्रेस के एक बड़े और बाहुबली नेता अनुब्रत मंडल को मवेशी तस्करी मामले में गिरफ्तार किया गया था। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव, उनकी पत्नी पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बेटे बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव रेलवे में नौकरी के बदले जमीन के मामले में चार्जशीटेड हैं। कांग्रेस के बड़े नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर रिहा हैं। क्रिकेट एसोसिएशन के फंड में घोटाले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुला के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। 2020 में ईडी ने उनकी 11.86 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क कर ली थी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मोदी सरकार पर अपने विरोधियों के खिलाफ केन्द्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। अशोक गहलोत इस बात से आग बबूला हो गए कि उनके बेटे वैभव गहलोत को भी ईडी ने सम्मन भेजा है।

असल में भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने अशोक गहलोत पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए ईडी को एक शिकायत भेजी थी जिसमें कहा गया था कि काले धन को सफेद करने के लिए वैभव गहलोत की कंपनियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। विपक्षी दलों के नेताओं पर की जा रही छापामारी को लेकर 13 राजनीतिक दलों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि जब से केंद्र में एनडीए की सरकार बनी है, ईडी और सीबीआई ने जितने नेताओं पर कार्रवाई की है, उनमें से 95 प्रतिशत मामले विपक्षी दलों के नेताओं से संबंधित हैं। याचिका में मांग यह थी कि इन एजेंसियों को गाइड लाईन जारी की जानी चाहिए, क्योंकि सरकार उनका राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ इस्तेमाल कर रही है। याचिका में बताया गया था कि 2004 से 2014 के बीच 72 राजनेताओं के खिलाफ सीबीआई ने जांच की थी, जिनमें से 60 प्रतिशत से भी कम (43) विपक्षी पार्टियों से संबंधित थे। लेकिन मोदी सरकार में यह आंकड़ा 95 प्रतिशत के पार जा चुका है। विपक्षी पार्टियों ने कोर्ट में कहा कि ईडी की रेड एक प्रताडना के टूल के तौर पर इस्तेमाल की जा रही है। मजेदार बात यह है कि इस याचिका में यह भी कहा गया था कि याचिकाकर्ता विपक्षी पार्टियों को भी 45 प्रतिशत वोट मिले थे। शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि आम लोगों और नेताओं के खिलाफ कार्रवाई में कोई अंतर नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने पहली ही सुनवाई में इस याचिका को खारिज कर दिया था।

यूपीए सरकार में सीबीआई ने 2जी स्पेक्ट्रम, राष्ट्रमंडल खेल और कोयला ब्लॉक आवंटन जैसे कई बड़े मामलों की जांच की थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान सीबीआई ने लगभग 43 विपक्षी नेताओं से पूछताछ की थी। इनमें भाजपा के 12 नेता भी शामिल थे। मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी उस वक्त सीबीआई जांच के दायरे में आ गए थे। वे उस समय गुजरात सरकार में मंत्री थे। जांच एजेंसी ने उन्हें सोहराबुद्दीन शेख की कथित मुठभेड़ में हुई हत्या के मामले में गिरफ्तार किया था। सीबीआई जांच के दायरे में आए एनडीए के दूसरे बड़े नेताओं में जनार्दन रेड्डी, बीएस येदियुरप्पा और पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस भी थे। एमके स्टालिन और मुलायम सिंह यादव के खिलाफ भी सीबीआई जांच हुई थी। ईडी ने पिछले 9 साल में 5906 केस रजिस्टर्ड किए हैं, जिनमें सिर्फ तीन प्रतिशत केस ही राजनीतिक लोगों से संबंधित हैं। इसलिए यह कहना आधारहीन है कि ईडी सिर्फ राजनीतिक लोगों पर ही कार्रवाई करती है। विपक्ष के द्वेषपूर्ण कार्रवाई के आरोपों के जवाब में भाजपा का कहना है कि विपक्षी नेताओं को टारगेट करके ईडी की कार्रवाई की जाती है तो उन्हें यह बताना चाहिए कि अब से पहले जितने ईडी के मामले हुए हैं, उनमें से कितनी कार्रवाई में अदालत से राहत मिली है? अगर सरकार के प्रभाव में एजेंसी ने काम किया होता, तो निश्चित तौर पर अदालत ने हस्तक्षेप कर ऐसे नेताओं को राहत प्रदान की होती।

संपादक की कलम से

परिवहन मैत्री माहौल के लिए

अंततः हिमाचल सरकार को रोड टैक्स में छूट देकर परिवहन मैत्री माहौल के लिए सामंजस्य बैठाने की आवश्यकता दिखाई दी। परिवहन व्यवस्था में आए गतिरोध को खत्म करने के लिए स्टेट रोड टैक्स में आधे से भी अधिक बढ़ी दरों से पीछे हटकर सरकार ने यह स्वीकार किया है कि पर्यटन, माल ढुलाई और तीर्थयात्रा के लिए यह कदम जरूरी हो गया था। सरकार की चुनौती बढ़े हुए कर ढांचे की स्वीकार्यता है, जबकि राजकोषीय घाटे से उबरने के लिए नए पैगाम में, नए आर्थिक संसाधन जुटाने की अनिवार्यता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। बहरहाल परिवहन के दायित्व में सरकार ने सभी वर्गों के साथ बातचीत करके जो निष्कर्ष निकाला, उससे राहत के रास्तों पर पड़ोसी राज्यों की आपत्तियां कुछ हद तक समझी गई हैं, लेकिन पर्यटन व माल ढुलाई के लिए घरेलू स्तर पर भी परिवहन को ठोस नीति चाहिए। खास तौर पर जब सरकार पांच करोड़ पर्यटक आगमन के लक्ष्य को लेकर चल रही है, तो वाहनों की तादाद और रफ्तार पर कुछ तो नीतिगत फैसला हो। जाहिर तौर पर नाममात्र के पर्यटक ही हिमाचल पथ परिवहन के नियमित रूट पर प्रदेश में आते हैं, जबकि अधिकांश यात्राओं के लिए निजी आपरेटरों के पहिए घूम रहे हैं। हिमाचल में पर्यटक वाहनों का पंजीकरण क्योंकि अति भारी कीमत वसूल करता है, इसलिए प्रायः ऐसी बसें-टैक्सियां बाहरी राज्यों में परिवहन उद्योग को संबल दे रही हैं।

इसलिए केवल स्टेट रोड टैक्स की कटौती से ही हिमाचल में परिवहन मैत्री का माहौल उत्पन्न नहीं होगा, बल्कि ऐसे वाहनों की पंजीकरण फीस भी घटानी होगी। कठिन व महंगे पंजीकरण शुल्क अदायगी के कारण अंततः हिमाचल के खजाने को ही नुकसान हो रहा है। हिमाचल में पर्यटन, परिवहन, शहरी विकास तथा कला, संस्कृति एवं भाषा विभागों का एक्शन ग्रुप होना चाहिए ताकि नीतियां व नियम बनाते हुए एक दूसरे के हितों का ख्याल रखा जाए। मिशन पांच करोड़ पर्यटक को हासिल करने के लिए कमोबेश हर विभाग का एक पर्यटन सैल बनाना आवश्यक है। पर्यटन परिवहन को महज ट्रांसपोर्ट की शब्दावली नहीं समझ सकती, बल्कि हर सैलानी की इसमें भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। पांच करोड़ सैलानियों की आमद को परिवहन के नजरिए से समझना होगा। अब तक प्रदेश में पंजीकृत वाहनों की संख्या बाइस लाख है और इसमें बाहरी वाहनों को जोड़ दिया जाए, तो करीब पचास लाख गाडियां हर साल यहां दौड़ रही हैं। दूसरी ओर वर्तमान डेढ़ से पौने दो करोड़ पर्यटकों की संख्या को पांच करोड़ तक बढ़ाने के लिए कम से कम आज की स्थिति से दो गुना वाहन चाहिएं यानी पचास लाख अतिरिक्त वाहन आने बाकी हैं।

ऐसे में कोशिश यह होनी चाहिए कि अधिकांश वाहन हिमाचल में पंजीकृत हों या स्टेट रोड टैक्स की दरें बाहरी वाहनों को यहां आने को प्रेरित करें। इसी के साथ इलैक्ट्रिक वाहनों की दृष्टि से हिमाचल पूरे उत्तर क्षेत्रीय राज्यों के लिए एक मॉडल अख्तियार कर सकता है। पर्यटन की क्षेत्रीय संभावनाओं में कनेक्टिविटी बढ़ाने के साथ-साथ ऐसे सहयोग की तलाश करनी चाहिए, ताकि पर्यटन उद्योग एक आदान प्रदान की तरह विकसित हो। देश के मेट्रो शहरों तथा अति व्यस्त पर्यटक स्थलों की एक खासियत यह भी है कि वहां हिमाचल के मुकाबले सस्ता परिवहन उपलब्ध है। खास तौर पर टैक्सी सेवाएं पर्यटक सहूलियत में विकसित करने के लिए सहमति और सौहार्द का माहौल बनाना होगा। इलैक्ट्रिक वाहनों के जरिए हिमाचल का पर्यटन क्षेत्र नई उम्मीदें पाल सकता है। इलैक्ट्रिक टैक्सियों के लिए मिल रही पचास फीसदी सबसिडी का असली उद्देश्य पर्यटक को सस्ती वाहन सेवा देना होना चाहिए और इसके लिए निम्रदरों पर प्वाइंट टू प्वाइंट सेवाएं शुरू करनी होंगी। बेशक हिमाचल परिवहन निगम अपने रूट निर्धारित करते हुए अब श्रद्धालुओं के लिए यात्रा की सुविधा बढ़ा रहा है या आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के लिए सीधी बस सेवाएं भी शुरू कर रहा है, लेकिन राज्य के भीतर साइट सीईंग जैसी बस सेवाओं के अलावा सस्ती टैक्सी सेवाओं के लिए जोरदार हस्तक्षेप करना होगा।

चर्चा

जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को समन किया था, ताकि शराब घोटाले के संदर्भ में पूछताछ की जा सके, लेकिन केजरीवाल ने समन को ही गलत तथा राजनीति से प्रेरित करार देते हुए पेशी होने से इंकार कर दिया। उन्होंने कुछ सवाल भी पूछे कि जांच एजेंसी ने उन्हें मुख्यमंत्री अथवा आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर बुलाया है। ईडी ने उन्हें 'गवाह' या 'संदिग्ध' के तौर पर समन भेजा था। भाजपा नेताओं के इन बयानों के मायने क्या हैं कि केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया जा सकता है, लिहाजा यह समन भाजपा के निर्देशानुसार भेजा गया है! केजरीवाल ने ईडी को लिखे पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के नाते उन पर काफी सरकारी दायित्व हैं और पार्टी का राष्ट्रीय नेता होने के नाते राज्यों के पार्टीजनों की अपेक्षा है कि वह चुनाव प्रचार करें। लिहाजा वह ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। चूंकि यह समन ही अवैध और अस्पष्ट है, लिहाजा उसे वापस ले लिया जाए। हमारी खबर है कि ईडी केजरीवाल को नया समन भेजेगा। यदि जरूरत पड़ी, तो अदालत का हस्तक्षेप भी मांगा जा सकता है। केजरीवाल ईडी के तीन समन ठुकरा सकते हैं। यदि फिर भी वह पेश नहीं होते हैं, तो ईडी को अगली कार्रवाई के लिए अदालत में ही जाना पड़ेगा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी 5 समन भेज चुका है, लेकिन वह एक बार भी पेश नहीं हुए हैं। आजकल नेताओं ने ईडी के समन को गंभीरता से लेना छोड़ दिया है, क्योंकि सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि समन न मानने की स्थिति में ईडी किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकता है।

उसके लिए अदालत में आना अनिवार्य है। बहरहाल ईडी के संदर्भ में ही एक घटना राजस्थान में हुई है कि वहां के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने ईडी के एक अधिकारी को 15 लाख रुपए की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। वह अधिकारी इंफाल (मणिपुर) से राजस्थान आया था, ताकि भ्रष्टाचार के एक मामले को रफा-दफा किया जा सके। अब कांग्रेस नेता यह भी सवाल उठा रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में जो काले संदूक आ रहे हैं और करोड़ों की धरपकड़ की गई है, उसमें ईडी या सीबीआई की कितनी संलिप्तता है? जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार के कई मामले उजागर हुए हैं। इनसे सरकार और जांच एजेंसियों के प्रति अविश्वास बढ़ रहा है और वे सवालिया होने लगी हैं। आम आदमी की चिंता बढने लगी है कि जिन जांच एजेंसियों को, संविधान के तहत, भ्रष्टाचार की जांच का, जनादेश प्राप्त है, वे खुद ही दागी और कटघरे में मौजूद हैं। बीते दिनों सीबीआई ने 5 करोड़ रुपए के भुगतान मामले में ईडी के एक सहायक निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कुछ दिन पहले असम पुलिस ने एक सीबीआई अधिकारी को गिरफ्तार किया था, जो एक व्यापारी से पैसे वसूलने की साजिश में जुटा था। बीते साल मई में खुद सीबीआई ने अपने ही चार सब-इंस्पेक्टरों को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया था। ऐसे कथित भ्रष्ट मामलों की फेहरिस्त काफी लंबी है। प्रथमद्रष्ट्या माना जा सकता है कि हमारी प्रमुख जांच एजेंसियां भी दूध की धुली नहीं हैं। यह बेहद गंभीर स्थिति है, लेकिन वे आर्थिक अपराधों को नहीं पकड़ सकतीं और कानूनी निष्कर्षतक नहीं पहुंच सकतीं, ऐसा मानना गलत है। दिल्ली शराब घोटाले के संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने ही 338 करोड़ रुपए के मुनाफे और सरकारी जनसेवक को कथित घूस दिए जाने की बात अपने फैसले में कही है। हवाला मनी ट्रेरल की ओर भी संकेत किया है। यदि दिल्ली सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह क्रमशः 8 माह और 28 दिनों से जेल में हैं और शीर्ष अदालत तक जमानत खारिज होती रही है, तो उस पार्टी के संयोजक और सरकार के मुख्यमंत्री जिम्मेदार क्यों नहीं होंगे? ईडी को इस निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए केजरीवाल का पक्ष जानना बेहद जरूरी है।

प्रो. सुरेश शर्मा

जनजातीय संस्कृति एवं सतत विकास

सतत एवं समग्र विकास के सार्वभौमिकता के सिद्धांत के अनुसार व्यक्तियों, समुदायों, गांवों, शहरों का सम्पूर्ण विकास होना आवश्यक है'

भारत में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है जो कि लगभग 10.4 करोड़ के लगभग है। इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश की कुल जनसंख्या का 5.7 प्रतिशत जनजातीय लोग निवास करते हैं। एक अध्ययन के अनुसार हिमाचल में लगभग 32 प्रतिशत लोग ही जनजातीय क्षेत्रों में निवास करते हैं, बाकि 68 प्रतिशत लोग शिक्षा, नौकरी के लिए तथा भू-सम्पत्ति खरीद कर दिल्ली, चंडीगढ़ एवं समीपवर्ती जिलों सोलन, शिमला, कुल्लू, मंडी, चम्बा तथा कांगड़ा के विभिन्न भागों में बस चुके हैं। इस समय भारत में संविधान के अनुच्छेद 342 के अन्तर्गत 730 से अधिक अनुसूचित जातियां अधिसूचित हैं। जनजातीय शब्द ऐसे मानव समुदाय के लिए प्रयुक्त किया जाता है जो अपनी एक विशेष संस्कृति, खानपान, परिधान, वेशभूषा, पहचान, धर्म परम्परा तथा भाषा या बोली के लिए जाने जाते हैं तथा काफी लंबे समय से एक क्षेत्र विशेष के निवासी होते हैं।

ये लोग एक विशेष भू-भाग पर रहते हैं जिनमें संस्कृति, सामान्य निरंतर संपर्क तथा क्षेत्र विशेष के कारण एकता की भावना होती है, जिनके जीवन रीति-रिवाज और व्यवहार के तौर तरीके आदिम जातियों की विशेषताओं से युक्त रहते हैं। जनजातीय लोगों की विशेषता है कि वे अपनी संस्कृति के लिए रूढ़िवादी, सख्त तथा रक्षात्मक होते हैं। जनजातीय लोग बहुत आसानी से अपनी संस्कृति में किसी बाह्य व्यक्ति का दखल स्वीकार नहीं करते। ये लोग भोले-भाले, सीधे-सादे तथा भौतिकवाद की छाया से बहुत दूर होते हैं। हिमाचल प्रदेश में मुख्यतः किन्नर, गुज्जर, लाहौली, गद्दी, स्वांगला, पंगवाली तथा खम्पा जनजातियां निवास करती हैं। इस वर्ष सिरमौर के ट्रांस गिरि में बसने वाले भाटी समुदाय को भी केन्द्र सरकार ने अनुसूचित जनजाति में शामिल किया है। ये सभी जनजातियां अपनी पृथक-पृथक तथा समृद्ध संस्कृति के लिए जानी जाती हैं। सामान्य रूप से संस्कृति मानवीय संस्कारों की एक सुंदर कृति है। यह सांस्कृतिक परिवेश संस्कारों का एक ऐसा आवरण है जिसमें हम मानसिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, संवेगात्मक एवं भावनात्मक एवं रूप से सुरक्षित पाते हैं। संस्कृति एक विशाल शब्द है। खानपान, पहरावा, रीति-रिवाज, संस्कार, परंपराएं, धार्मिक आस्थाएं, विश्वास, अविश्वास, अंधविश्वास, लोकाचार, रीतियां-कुरीतियां तथा पूजा पद्धतियां, ये सब संस्कृति को परिभाषित करते हैं।

संस्कृति के दो रूप माने गए हैं जिनमें वृक्ष रूप संस्कृति की परम्परा या स्थायित्व को प्रतिबिंबित करता है तथा नदी रूप उसकी गतिशीलता तथा निरंतरता को व्यक्त करता है। संस्कृति का परम्परागत एवं गतिशील होना आवश्यक है क्योंकि ठहरे हुए पानी में भी सड़ांध आ जाती है। नवीनता, निरंतरता, गतिशीलता तथा रचनात्मकता के कारण ही संस्कृति नित-नवीन रहती है। आज संपूर्ण विश्व सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। सितम्बर 2015 में संयुक्त राष्ट्र संघ के 193 देशों के शीर्ष सम्मेलन में निश्चित वैश्विक एजेंडा के 17 सतत विकास के लक्ष्यों में सार्वभौमिकता के सिद्धांत में 'कोई पीछे न छूटे' के लक्ष्य को प्राप्त करना है। इन 17 एसडीजी लक्ष्यों यानी 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स' में आर्थिक संपन्नता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, गरीबी, भुखमरी, शिक्षा, स्वास्थ्य और खुशहाली, लैंगिक समानता, जल स्वच्छता, ऊर्जा, आर्थिक वृद्धि, उत्कृष्ट कार्य, बुनियादी सुविधाएं, उद्योग एवं नवाचार, असमानताओं में कमी, संवहनीय शहर, उपभोग एवं उत्पादन, औद्योगिक विकास, वैश्विक समस्याएं, जलवायु, कार्यवाही, पारिस्थितिक प्रणालियां, शांति, न्याय एवं भागीदारी आदि मुख्य लक्ष्य हैं। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में उपेक्षित, वंचित तथा हाशिए पर जी रहे लोगों, परिवारों, समुदायों तथा जनजातियों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है। इन लक्ष्यों में सतत विकास लक्ष्य क्रमांक ग्यारह सांस्कृतिक परम्परागत एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन तथा संवहनीय शहरों एवं समुदायों के विकास पर आधारित है। वर्तमान में जनजातीय लोगों, समुदायों तथा संस्कृतियों पर भी भौतिकवाद की चकाचौंध का प्रभाव पड़ा है।

आज जनजातीय विकास के नाम पर सांस्कृतिक व्यवसायीकरण, भौतिकवाद का प्रभावित नहीं बल्कि परम्परागत संस्कृति का संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देना भी बहुत आवश्यक है। परम्परा एवं आधुनिकता के संगम एवं सन्तुलन बनाए रखने से ही सतत विकास संभव है। यहां पर यह विचारणीय है कि परम्परागत संस्कृति को अपनाना पिछड़ापन तथा रूढ़िवादिता नहीं है तथा आधुनिकता एवं भौतिकवाद से प्रभावित होना कोई आधुनिकता नहीं है। वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति आर्थिक रूप से इतना सम्पन्न तथा महत्वाकांक्षी हो गया है कि वह भौतिकवाद तथा आधुनिकता की छाया से बच नहीं सकता। यह भी आवश्यक है कि जीवन में भौतिक सुखों का उपयोग एवं उपभोग करते हुए जीवन शैली में परम्परागत मूल्यों एवं आदर्शों का अनुकरण एवं अनुसरण करते हुए एक संतुलित जीवन व्यतीत किया जाना चाहिए। जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, संकलन, संग्रहण एवं संवर्धन के लिए सरकार, व्यवस्थाओं तथा विभागों को विशेष आर्थिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

उनकी लोक कलाओं, हस्त कलाओं तथा परम्परागत व्यवसायों को संरक्षण दिया जाना चाहिए। जनजातीय लोक कलाओं को भविष्य की पीढियों के प्रेषण के लिए कार्यशालाओं तथा सेमिनारों का आयोजन आवश्यक है ताकि वे अपनी बहुमूल्य संस्कृति पर गौरवान्वित महसूस कर सकें। जनजातीय जीवन शैली एकला संस्कृति, संस्कृति कर्मियों पर शोध कार्य होने के साथ लिखित रूप तथा तकनीक के प्रयोग से वीडियोग्राफी से दस्तावेजीकरण होना चाहिए। सतत एवं समग्र विकास के सार्वभौमिकता के सिद्धांत के अनुसार व्यक्तियों, समुदायों, गांवों, शहरों का सम्पूर्ण विकास होना आवश्यक है ताकि 'कोई पीछे न छूटे' का लक्ष्य प्राप्त हो सके। जनजातीय परिप्रेक्ष्य में सांस्कृतिक संरक्षण, संग्रहण तथा संवर्धन के लिए जनजातीय लोक भाषाओं, लोक बोलियों, लोक साहित्यों, लोक गाथाओं, लोक पहेलियों, लोक समुदायों, लोक संस्कृतियों, लोक संस्कृति कर्मियों, लोक संगीत, लोक गीतों, लोक वाद्यों, लोक नृत्यों, लोक नाट्यों, लोक दन्त कथाओं का संरक्षण एवं संवर्धन करके उसे शुद्ध रूप से भविष्य की पीढियों के लिए प्रेषित करने की आवश्यकता है, तभी सतत सांस्कृतिक विकास संभव है।

चिंतन विचार

भटके हुए इनसानों के कुत्ते

किसी ज़माने में कहते थे, राजा से काम करवाना हो, क़ानून लागू करवाना हो तो वज़ीर को तंग करो। आम नागरिक और आम कर्मचारी की तब भी ज्यादा बुक्कत नहीं थी और आज भी क्या बिसात। इस बार मामला पालतू कुत्ते द्वारा बड़े आदमी को काटने का रहा। दुर्घटना के बाद प्रभाव पैदा करने वाली अंग्रेज़ी भाषा में शिकायत हुई तो प्रशासनिक अफसर ने तत्काल मीटिंग कर अनुशासन पालकों की क्लास ली। उन सार्वजनिक स्थानों पर भी कुत्तों का ले जाना, घुमाना पूरी तरह बैन कर दिया जहां पहले अधूरी तरह से बैन था। उम्मीद के मुताबिक खूब प्रेस कवरेज मिली, फेसबुक ने भी पढ़वाया कि प्रमुख सार्वजनिक जगहों पर पालतू कुत्ता घुमाता, कोई व्यक्ति नजर भी आ गया तो मौका पर ही एक हज़ार रुपए का नकद चालान किया जाएगा। मतलब सभी पालतू कुत्ता घुमाऊ प्रेमियों को जेब में सुबह सुबह एक हज़ार की नकद राशि रखनी होगी। भुगतान, कार्ड से भी हो सकेगा। सभी पालतू कुत्तों के कान खड़े हो गए। बेचारे आवारा कुत्तों का कोई स्थायी मालिक नहीं होता, इसलिए कोई खतरा नहीं भौंका। मामला साधारण नहीं था, तभी अर्थ यह निकाला गया कि पालतू कुत्तों को गैर सार्वजनिक जगहों पर ले जाया जा सकता है। वहां चाहें तो आवारा कुत्तों के साथ मिलकर आम व्यक्तियों को काट सकते हैं। खतरनाक इत्तफाक रहा, अगली सुबह सामान्य सार्वजनिक जगह पर सिर्फ एक आवारा कुत्ते ने सिर्फ सात आम नागरिकों को जख्मी किया।

नगरपालिकाजी का काम कम सक्रियता से चल गया क्योंकि किसी उच्चाधिकारी को काटने की दुर्घटना तो थी नहीं कि तुरंत बैठक बुलाई जाए और स्पष्ट भाषा में सख्त निर्देश दिए जाएं। मुद्दा वीआईपी हो जाए तो नगरपालिका में ज़िम्मेदारी की बाढ़ अचानक आ सकती है। ऐसी कागज़ी कमेटी का पुनर्गठन करना पड़ता है जो सख्त निर्णय लेगी कि कौन कौन से सार्वजनिक स्थल, सैरगाह या पार्क हैं जहां पालतू कुत्ते प्रवेश बंद के बोर्ड लगाए जाएंगे। बेचारे निरीक्षक को सुबह सुबह उठकर, हाथ में रसीद बुक पकडक़र निरीक्षण करना होगा ताकि दो-चार चालान काट कर यह साबित हो कि वीआईपी को काटने पर कार्रवाई हुई है। वैसे, शहर के सभ्य, जान पहचान रखने वाले, पढ़े लिखे, लोकतांत्रिक बाशिंदे अपने पालतुओं को घुमाना और जहां चाहे पौटी करवाना नहीं छोड़ते। कुछ आवारा कुत्ता प्रेमियों ने उस ख़ास कुत्ते की जिसने हिम्मत करके ख़ास टांग को जख्मी किया, प्रशंसा की। वह बात अलग है कि आवारा कुत्ता प्रेमी, नगरपालिका से अनुरोध करते आए हैं कि ऐसी जगह बनाई जाए जहां उन्हें स्थायी पनाह मिल सके, देखभाल हो सके।

क्या पता कुत्तों ने ही मिलकर बैठक की हो, उसमें विमर्श हुआ हो कि हम कोई बेजान वस्तु नहीं हैं। इनसानों ने हमें परेशान कर दिया है। ब्रीडिंग करने वालों के अपने बाजारी स्वार्थ हैं। क्रॉस ब्रीडिंग से भी हमारे साथियों में गुस्सा बढ़ा है। हमारी उचित देखभाल नहीं हो रही। उन्होंने ही उस ख़ास कुत्ते को संदेश प्रेषित किया हो कि सुबह जहां सैर करने जाते हो, वहां शांत मन से किसी वीआईपी टांग को खोजकर ठीक से काटो ताकि इस क्षेत्र में मुद्दा बने। खैर बात आई और गई। सब कुछ वैसे ही चल रहा है जैसे बरसों से चलता आया है। आवारा इनसान और पालतू कुत्ते दोनों खुश हैं।

प्रभात कुमार

पीएम किसान योजना की 15 वीं किस्त का है इंतजार
इन लोगों को नहीं मिलेगा योजना का लाभ; जानें डिटेल्स

पीएम किसान योजना सरकार द्वारा किसानों के आर्थिक लाभ के लिए शुरू किया गया था। इस योजना से लगभग 8 करोड़ से ज्यादा किसान जुड़े हैं। इस योजना का लाभ पाने के लिए किसानों को कुछ काम करना अनिवार्य है।

नई दिल्ली। देश में करोड़ किसान पीएम किसान योजना की 15वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही सरकार द्वारा 51वीं किस्त का एलान किया जाएगा। ऐसे में अगर आप भी इस योजना का लाभ उठाते हैं तो आपको जल्द से जल्द अपना केवाईसी और जमीन सत्यापन का काम करवा लेना चाहिए।

आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने पीएम किसान योजना के लिए केवाईसी और जमीन सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। इसका मतलब है कि अब इस योजना का लाभ केवल उन व्यक्ति को मिलता है जिन्होंने केवाईसी और जमीन का सत्यापन करवा लिया है। केंद्र ने जुलाई में 14वीं किस्त जारी की थी। यह किस्त भी उन किसानों को नहीं मिली जिन्होंने केवाईसी नहीं करवाया होता है।

पीएम किसान योजना में सरकार किसानों को सालाना 6,000 रुपये की राशि देता है। यह राशि किस्तों में दी जाती है। हर किस्त में किसानों के अकाउंट में डायरेक्ट 2,000 रुपये की राशि आ जाती है।

कैसे करें ई-केवाईसी

आप अपने फोन से आसानी से ई-केवाईसी करवा सकते हैं। इसके लिए आपको पीएम किसान की अधिकारिक पोर्टल पर जाना होगा।

पोर्टल पर आपको 'फार्मर्स कॉर्नर' सेलेक्ट करने के बाद 'eKYC' पर क्लिक करना होगा।

अब आप अपना आधार नंबर दर्ज करें। इसके बाद आधार नंबर से लिंक्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा।

सफलतापूर्वक ओटीपी दर्ज करने के बाद आपका ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

अगर आप पीएम किसान स्कीम में शामिल हैं तो आपको एक बर अपना नाम लाभार्थी की लिस्ट में चेक करना चाहिए। आप चाहें तो आप अपन साथ पूरे गांव के लाभार्थी का नाम भी चेक कर सकते हैं।

कैसे करें लाभार्थी लिस्ट को डाउनलोड

आपको पीएम किसान के पोर्टल पर जाकर 'फार्मर्स कॉर्नर' को सेलेक्ट करना है। इसके बाद आपको स्क्रीन पर शो हो रहे लाभार्थी लिस्ट पर क्लिक करना है।

अब आपके सामने एक नया विंडो ओपन होगा।

आपको न्यू विंडो में अपना राज्य जिला, उप-जिला, ब्लॉक और गांव को सेलेक्ट करना है।

इसके बाद रिपोर्ट पर क्लिक करें और लाभार्थी लिस्ट को डाउनलोड करें।

आप इस लिस्ट में अपना नाम सर्च कर सकते हैं।

कीमत बढ़ाकर छूट दे रही हैं ई-कामर्स कंपनियां

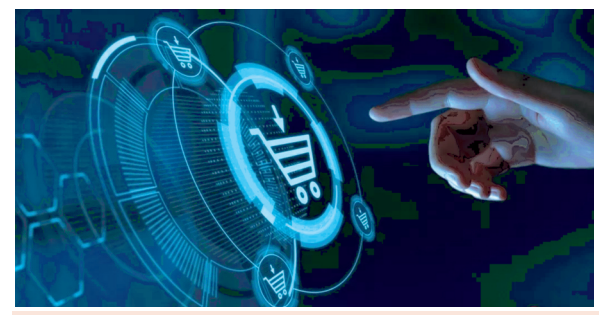

थिंक टैंक CUTS इंटरनेशनल ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि ई-कॉमर्स कंपनियां उत्पाद की कीमतें बढ़ाकर अपने ग्राहकों को छूट प्रदान कर रही हैं। यह ग्राहकों को बचत का गलत आभास देकर धोखा देता है और साथ ही उनसे वास्तविक कीमत से अधिक कीमत वसूलता है। रिपोर्ट में सरकार और संबंधित नियामकों से तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया गया है।

नई दिल्ली। थिंक टैंक सीयूटीएस इंटरनेशनल ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि ई-कामर्स कंपनियां उत्पादों की कीमत बढ़ाकर ग्राहकों को छूट दे रही हैं।

सरकार तुरंत करे कार्यवाही

इस वजह से ई-कामर्स कंपनियां ग्राहकों के बीच बचत की गलत धारण पैदा करके धोखाधड़ी की जा रही है, जबकि उनसे वास्तविकता से अधिक कीमत ली जाती है। रिपोर्ट में सरकार और संबंधित नियामकों से ऐसा करने वाली कंपनियों के खिलाफ तुरंत कार्यवाही करने का आग्रह किया गया है।

थिंक टैंक का कहना है कि सरकार को फ्लैश सेल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाए उपभोक्ता संरक्षण उपायों को मजबूत करने और सभी बाजार सहभागियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

विक्रताओं पर अतिरिक्त छूट का बोझ डालना वित्तीय तनाव

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक निष्पक्ष और टिकाऊ ई-कामर्स इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विक्रेताओं को अपने उत्पादों की कीमत निर्धारित करने की स्वायत्तता हो। विक्रेताओं पर अतिरिक्त छूट का बोझ डालने से वित्तीय तनाव हो सकता है और उनके लाभ में कमी आ सकती है।

धनतेरस पर गोल्ड खरीदने की कर रहे प्लानिंग, तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

भारत में गोल्ड खरीदना जहां एक ओर शुभ माना जाता है वहीं दूसरी तरफ यह निवेश के लिए काफी लोकप्रिय माध्यम है। अगर आप भी इस साल धनतेरस पर गोल्ड खीदने का सोच रहे थे तो आपको गोल्ड खरीदने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

नई दिल्ली। अगले हफ्ते धनतेरस का त्योहार है। इस मौके पर गोल्ड खरीदना काफी शुभ माना जाता है। इसके अलावा गोल्ड को निवेश के लिए भी काफी शुभ माना जाता है। यह बाकी निवेश की तुलना में काफी सुरक्षित है। फेस्टिव सीजन में कई ज्वैलर लोगों को ठगते हैं। ऐसे में आपको गोल्ड खरीदने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सर्टिफाइड गोल्ड खरीदें

आपको हमेशा से भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) से प्रमाणित गोल्ड ही खरीदना चाहिए। दरअसल, इस से यह तय हो जाता है कि सोने शुद्धता और क्वालिटी वाला है। वहीं, बीआईएस हॉलमार्क में कोड, टेस्टिंग लैब का निशान, ज्वैलर का साइन और साल होता है। आपको हमेशा हॉलमार्क वाला ही गोल्ड खरीदना चाहिए।

शुद्धता की जांच करें

गोल्ड की शुद्धता जांच करने के लिए 24 कैरेट नापा जाता है। इसके अलावा 24,22,28 कैरेट के जरिये भी इसे नापा जाता है। 24 कैरेट को सबसे ज्यादा शुद्धासोना माना जाता है। आप जब भी कोई गोल्ड खरीदें तो एक बार उसका कैरेट जरूर चेक करना चाहिए।

गोल्ड की कीमत की तुलना करें

आपको सोने की कीमत की तुलना अवश्य करना चाहिए। हर जौहरी गोल्ड की अलग कीमत लगाते हैं। आप ऑनलाइन भी गोल्ड की कीमतों को चेक कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप एक शहर से दूसेर शहर ट्रैवल करने वाले हैं तो आप दूसरे शहर के गोल्ड की कीमतों को भी चेक कर सकते हैं। देश में इनकी कीमतों में बदलाव किया जाता है। ऐसे में आपको लेटेस्ट के बारे में पता होना चाहिए।

मेकिंग चार्ज के बारे में जानें

गोल्ड की ज्वेलरी में आपको मेकिंग चार्ज भी देना होता है। ज्वैलर्स इनकी कीमतों को बदलते रहते हैं। ऐसे में आप ज्वैलर से जरूर पूछें कि वह कितना मेकिंग चार्ज लेंगे। मेंकिंग चार्ज गहने की डिजाइन पर लगाया जाता है।

विश्वास वाले ज्वैलर से खरीदें

आपको हमेशा से किसी भरोसेमंद ज्वैलर से ही अपनी ज्वैलरी खरीदनी चाहिए। यहां आपके साथ धोखाधड़ी होने का खतरा कम होता है और आपको क्वालिटी वाली ज्वैलरी मिल सकती है।

डिस्काउंट का पता लगाएं

फेस्टिव सीजन पर कई ज्वैलर छूट या डिस्काउंट देते हैं। ऐसे में आपको इस डिस्काउंट ऑफर के बारे में पता होना चाहिए।

Linked FD और नार्मल एफडी में क्या है अंतर, जानें कहां मिलता है ज्यादा रिटर्न

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आप एफडी खुलवाने का प्लान कर रहे हैं तो आपके सामने Linked FD और नार्मल एफडी का ऑप्शन होता है। ऐसे में लोग काफी कंफ्यूज के आपको चेक करना चाहिए इनमें से किसमें ज्यादा का फायदा मिलता है। जानिए पूरी आर्टिकल विस्तार से....

नई दिल्ली। एफडी में निवेश करना कई लोगों को पसंद आता है। यहां आप अपनी मेहनत की कमाई को सेव कर सकते हैं। एफडी पर आपको सेविंग अकाउंट की तुलना में ज्यादा ब्याज मिलता है। अगर आप सेविंग अकाउंट और एफडी का लाभ पाना चाहते हैं तो हम आपको लिंक्ड एफडी के बारे में विस्तार से बताएंगे।

लिंक्ड एफडी क्या है

लिंक्ड एफडी आपके सेविंग अकाउंट को एफडी से लिंक करता है। इस स्वीप एफडी के नाम से भी जाना जाता है। इसमें ग्राहक को ऑटो स्वीप-इन-स्वीप-आउट की सुविधा मिलती है। यहां आप अपने सेविंग अकाउंट से एक फिक्सड राशि को एफडी अकाउंट में जमाकर सकते हैं। एफडी पर मिलने वाले इंटरेस्ट रेट भी ऑटो स्वीप के दिन से शुरू हो जाता है।

लिंक्ड एफडी कैसे काम करता है

लिंक्ड एफडी में आपको अपने सेविंग अकाउंट की एक निश्चित राशि को एफडी में ट्रांसफर करने का अवसर मिलता है। उदाहरण के तौर पर अगर आपने एफडी ओपन की है तो आप लिंक्ड एफडी का लाभ उठा सकते हैं। इसमें आपको एक लिमिट तय करनी है। जैसे ही आपके सेविंग अकाउंट में उस सीमा से ज्यादा राशि आती है वैसे ही बाकी राशि ऑटोमैटिक आपके सेविंग अकाउंट में ट्रांसफर हो जाती है।

उदाहरण के तौर पर आपने सेविंग अकाउंट की लिमिट 10,000 रखी है औरव आपके अकाउंट में 22,000 रुपये आते हैं तो सेविंग अकाउंट में केवल 10,000 रुपये रहेंगे और बाकी 12,000 रुपये की राशि एफडी में ट्रांसफर हो जाएंगे।

देश के कई बैंक अपने ग्राहक को लिंकिंग की सुविधा फ्री में देते हैं। वहीं कई बैंक इसके लिए चार्ज लेते हैं। ऐसे में आपको जरूर चेक करना चाहिए कि आपको कितना शुल्क का भुगतान करना होगा। कई बैंक स्वीप आउट की राशि तय करती है। अगर यह आपकी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है तो आप बाकी ऑप्शन को भी चेक कर सकते हैं। आप जब भी लिंक्ड एफडी का ऑप्शन सेलेक्ट करते हैं तो आपको एक बार उसके नियम व शर्तों को जरूर चेक करना चाहिए।

पंजाब एंड सिंध बैंक ने सितंबर तिमाही के नतीजों में मुनाफे में आई कमी, बैंक के नेट प्रॉफिट में 32 फीसदी की गिरावट

पंजाब और सिंध बैंक की ओर से सितंबर तिमाही के नतीजे रिपोर्ट किए गए हैं। बैंक के मुनाफा इस तिमाही पर 32 प्रतिशत की गिर गया है।

नई दिल्ली। पंजाब एंड सिंध बैंक की ओर से शुक्रवार को सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए गए हैं। इस तिमाही बैंक का नेट प्रॉफिट 32 फीसदी की गिरावट के साथ 189 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की। एक साल पहले की समान अवधि में बैंक ने 278 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था।

बैंक के कुल इनकम में वृद्धि

पंजाब एंड सिंध बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि जुलाई-सितंबर की अवधि के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 2,674 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023 की इसी अवधि में 2,120 करोड़ रुपये थी। सितंबर के अंत में बैंक की सकल एनपीए घटकर 6.23 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 9.67 प्रतिशत थी।

दिल्ली मुख्यालय वाले बैंक का सकल एनपीए चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत तक 5,106 करोड़ रुपये था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 7,128 करोड़ रुपये था। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में नेट एनपीए भी 2.24 प्रतिशत से घटकर 1.88 प्रतिशत पर आ गया।

जुलाई- सितंबर तिमाही के दौरान बैंक का अनुपात एक साल पहले के 89.16 प्रतिशत के मुकाबले घटकर 88.54 प्रतिशत हो गया।

दिवाली पर IPO की भरमार, MamaEarth और Tata Technologies पर निवेशकों की नजर, इस दिन आ रहा है आईपीओ

दिवाली और उसके बाद के कुछ हफ्तों में कई कंपनियां आईपीओ लाने जा रही हैं। इस बीच निवेशक टाटा टेक्नोलॉजीज और मामाअर्थ के आईपीओ पर ध्यान दे रहे हैं। कंपनियां आईपीओ के जरिए फंड जुटाने की तैयारी कर रही हैं तो वहीं निवेशक भी अपना मुनाफा कमाने को देख रहे हैं। जानिए कब कौन सी कंपनियों का आ रहा है आईपीओ।

नई दिल्ली। कुछ ही हफ्तों में दिवाली आने वाली है। ऐसे में इस दौरान बाजार में आधे दर्जन कंपनियां अपना इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) लाने जा रही है।

इनमें टाटा टेकनोलॉजी (Tata Technologies) और मामाअर्थ (Mama Earth) के आईपीओ पर निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी।

कौन सी कंपनी कब ला रही है आईपीओ?

दिवाली और उसके बाद के हफ्तों के दौरान कंपनियां आईपीओ के जरिए धन जुटाने की तैयारी कर रही हैं। 30 अक्टूबर को सेलो वर्ल्ड (Cello World) और 31 अक्टूबर को होनासा कंज्यूमर (Honasa Consumer (Mamaearth)) का आईपीओ खुल रहा है।

इसके अलावा अगर रिपोर्ट की मानें तो फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्रीज (Flair Writing Industries), ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक (ESAF Small Finance Bank), प्रोटीन ईगॉव टेक्नोलॉजीज (Protean eGov Technologies) और एएसके ऑटोमोटिव (ASK Automotive) आईपीओ लिस्टिंग के अंतिम चरण में हैं।

कब खुलेगा टाटा टेक का आईपीओ?

कयास लगाए जा रहे हैं कि टाटा टेकनोलॉजी का आईपीओ सदस्यता के लिए नंवबर के आखिरी हफ्ते तक खुल सकता है।

इसके अलावा फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्रीज इसी महीने यानी अक्टूबर के आखिरी हफ्ते या नवंबर के पहले हफ्ते में ला सकता है। प्रोटीन ईगॉव टेक्नोलॉजीज और एएसके ऑटोमोटिव अपना आईपीओ 6 से 10 नवंबर के बीच ला सकते हैं।

कल ही बंद हुआ है ब्लू जेट हेल्थकेयर का आईपीओ

25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक चले ब्लू जेट हेल्थकेयर का आईपीओ अब बाजार में लिस्ट होने के लिए तैयार है। कंपनी का आईपीओ साइज 840.27 करोड़ रुपये का था।

पायलटों की फ्लाइट ड्यूटी की अवधि कम करने का प्रस्ताव, डीजीसीए ने जारी किया मसौदा; चार दिसंबर तक जनता से मांगी प्रतिक्रिया

डीजीसीए ने रात में उड़ान भरने वाले पायलट के लिए अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी अवधि को 13 से घटाकर 10 घंटे करने का प्रस्ताव दिया है। इसमें पायलटों के आराम के लिए अधिक समय (रेस्टिंग टाइम) का प्रस्ताव है। मसौदा प्रस्ताव पर चार दिसंबर तक जनता से प्रतिक्रिया मांगी गई है।

नई दिल्ली। विमान के पायलटों और चालक दल के सदस्यों (क्रू) की थकान को लेकर चिंताओं के बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उड़ान के चालक दल के सदस्यों की सेवा के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। डीजीसीए ने रात में उड़ान भरने वाले पायलट के लिए अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी अवधि को 13 से घटाकर 10 घंटे करने का प्रस्ताव दिया है। इसमें पायलटों के आराम के लिए अधिक समय (रेस्टिंग टाइम) का प्रस्ताव है।

चार दिसंबर तक जनता से मांगी गई प्रतिक्रया

विमान चालक दल के ड्यूटी टाइम को नियंत्रित करने वाले मानदंडों में कई बदलावों का भी प्रस्ताव है। मसौदा प्रस्ताव पर चार दिसंबर तक जनता से प्रतिक्रिया मांगी गई है।

पायलटों की थकान के मामले आए सामने

हाल के दिनों में पायलटों की थकान के मामले सामने आए हैं। थकान के कारण इंडिगो का पायलट नागपुर हवाईअड्डे पर गिर गया था, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। डीजीसीए ने रात में उड़ान संचालित करने वाले पायलटों के लिए लगातार 48 घंटे के साप्ताहिक आराम और फ्लाइट ड्यूटी की अवधि को 10 घंटे कम करने का प्रस्ताव रखा है।

डीजीसीए को देनी होगी त्रैमासिक रिपोर्ट

एयरलाइनों के संचालन प्रमुखों को पिछली तिमाही के दौरान प्राप्त थकान रिपोर्ट और उस पर की गई कार्रवाई के बारे में डीजीसीए को त्रैमासिक रिपोर्ट देनी होगी। इसमें कहा गया कि परिचालक सुनिश्चित करेंगे कि लगातार 48 घंटों का न्यूनतम साप्ताहिक आराम दिया जाए, ताकि एक साप्ताहिक आराम अवधि के अंत और अगली आराम अवधि की शुरुआत के बीच अंतर कभी भी 168 घंटे से अधिक न हो। फिलहाल आराम की अवधि 36 घंटे है।

भाजपा नेता रतन दुबे की नक्सलियों ने की हत्या, चुनाव प्रचार के दौरान वारदात को दिया अंजाम

रतन दुबे ग्राम कौशल नार इलाके में चुनाव प्रचार के लिए निकले हुए थे। इसी दौरान नक्सलियों ने उनको मौत के घाट उतार दिया। लंबे समय से ये होता आ रहा है कि चुनाव प्रचार के दौरान नक्सली राजनीतिक दलों के नेताओं को निशाना बनाते हैं।

नारायणपुर में नक्सलियों ने भाजपा नेता रतन दुबे की हत्या कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मामला नारायणपुर के कौशल नार का है। जहां नक्सलियों ने भाजपा रतन दुबे को मौत के घाट उतार दिया है। हालांकि किस वजह से इस घटना को अंजाम दिया गया इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है। रतन दुबे ग्राम कौशल नार इलाके में चुनाव प्रचार के लिए निकले हुए थे। इसी दौरान नक्सलियों ने उनको मौत के घाट उतार दिया। लंबे समय से ये होता आ रहा है कि चुनाव प्रचार के दौरान नक्सलियों ने राजनीतिक दलों के नेताओं को निशाना बनाते हैं। कुछ दिन पहले ही मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के औंधी क्षेत्र के नक्सल प्रभावित ग्राम सरखेड़ा में गोली मारकर भाजपा नेता बिरजूराम तारम की हत्या कर दी गई थी। हथियारों से लैस कुछ लोगों ने घर में घुसकर घटना को अंजाम दिया। बता दें कि साल 2009 में विधानसभा चुनाव के ठीक बाद नक्सलियों ने भाजपा प्रत्याशी रहे दरबार सिंह की निर्मम हत्या कर दी थी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने इजरायली समकक्ष से की बात, आतंकवाद से मुकाबले की प्रतिबद्धता दोहराई

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को इजरायली समकक्ष एली कोहेन से टेलीफोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला करने और दो-राज्य समाधान के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों के बीच गाजा में मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई।

नईदिल्ली। इजरायल और हमास के बीच संघर्ष जारी है। इस बीच शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजरायली समकक्ष एली कोहेन से टेलीफोन पर बात की। इस दौरान आतंकवाद का मुकाबला करने, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने और दो-राज्य समाधान के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। चर्चा गाजा में मौजूदा स्थिति और क्षेत्रीय स्थिरता और शांति सुनिश्चित करने वाले समाधान खोजने के महत्व पर केंद्रित थी।

'बातचीत से मुद्दों का किया जाए हल'

इससे पहले शुक्रवार को रोम में सीनेट के विदेश मामलों और रक्षा आयोग के संयुक्त सचिव सत्र में जयशंकर ने फलस्तीनी लोगों के सामने आने वाले मुद्दों के समाधान के महत्व और संघर्ष और आतंकवाद के बजाय बातचीत के माध्यम से इसे हल करने के महत्व पर प्रकाश डाला था। बता दें कि इजरायल और हमास के बीच सात अक्टूबर से जंग जारी है।

इटली के राष्ट्रपति से की मुलाकात

जयशंकर ने इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेल्ला और अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात की। इस दौरान रक्षा, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी क्षेत्रों में द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और विकसित करने के तरीकों पर चर्चा की गई।

12 नवंबर को दिवाली, मगर उससे भी बड़ी दीपावली अगले साल, 500 साल का कसर पूरा करने की ऐसी तैयारी

9 नवंबर 1989 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए शिलान्यास में पहली ईंट देने वाले कामेश्वर चौपाल ने बताया कि हर साल की दिवाली से बड़ी अगले साल की शुरुआत में पूरा देश कैसे दीपावली मनाएगा। क्या तैयारी है, कैसे होगा यह?

नई दिल्ली। 14 वर्ष वनवास के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में हर साल मनाई जाने वाली दिवाली इस साल 12 नवंबर को है। घर से बाजार तक इसकी तैयारी दिख रही है। 14 साल के वनवास से वापसी पर इतनी बड़ी दिवाली हर साल लोग मनाते हैं तो सोच लीजिए कि 500 साल बाद अपनी जन्मभूमि पर भगवान राम के लौटने की खुशी में कैसी दीपावली मनाई जाएगी! उसी कल्पना को साकार करने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आजीवन सदस्य और 9 नवंबर 1989 को इस मंदिर के शिलान्यास में पहली ईंट रखने वाले कामेश्वर चौपाल ने 'अमर उजाला' से तैयारियों पर विस्तृत बातचीत की।

कल 50 प्रांतों की अयोध्या में बैठक

रविवार को अयोध्या में 22 जनवरी की तैयारी के लिए अहम बैठक है। इसमें विश्व हिंदू परिषद् के 50 प्रांतों के प्रतिनिधि रहेंगे। सभी एक से 15 जनवरी तक चलने वाले महा-अभियान की तैयारी के लिए जुट रहे हैं। शनिवार को अयोध्या के लिए निकलने से पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने बताया कि सभी 50 प्रातों के प्रतिनिधियों को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से निकला पांच-पांच किलो अक्षत दिया जाएगा। यह सभी अक्षत लेकर निकलेंगे। जैसे सामान्य जल में गंगा जल की बूंदें सभी को गंगा जल में बदल देती हैं, उसी तरह प्रांत में प्रभारी अपने हिसाब से अरवा चावल लेकर भगवान के मंदिर से आए इस अक्षत में मिलाकर मात्रा बढ़ा लेंगे। फिर यह अक्षत जिलों-मंडलों के जरिए गांव-गांव तक पहुंच जाएगा। विचार परिवार (विश्व हिंदू परिषद्, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आदि एक विचार के संगठन) के सदस्य एक से 15 जनवरी तक इस अक्षत को अपने-अपने इलाके में घर-घर तक पहुंचाएंगे।

अक्षत के जरिए दीपावली का संदेश

अक्षत के माध्यम से 1 से 15 जनवरी तक हर एक घर में जाकर निमंत्रित करेंगे कि आप सभी लोग 22 जनवरी को प्रत्यक्ष रूप में अयोध्या में उपस्थित नहीं हो सकते हैं, इसलिए यहां से भी उस संकल्प में अपना योगदान कर अपनी आस्था दिखाएं। लोगों को बताया जाएगा कि आसपास में जो भी देवस्थल या मंदिर या मठ हों तो उन देवस्थलों को सजाएं। सभी लोगों को एकत्रित करें और अयोध्या का लाइव प्रसारण दिखाएं और देखें। फिर वहां प्रसाद वितरण कराएं। शाम में सभी लोग ऐसी दीपावली मनाएं, जिससे लगे कि हम भगवान श्रीराम के 500 वर्षों बाद जन्मभूमि पर वापसी की खुशी मना रहे हों। इस तरह का वातावरण बनाएं कि सिर्फ अयोध्या ही राममय नहीं हो, बल्कि पूरे भारतवर्ष के अंदर राममय वातावरण बन जाए।

बिहार में दो प्रांत हैं, बाकी का भी जानें

सरकारी संरचना में बिहार एक राज्य या प्रांत है, लेकिन संघ-विहिप में संगठन के दृष्टिकोण से बिहार में दो प्रांत हैं- गंगा से उत्तर, उत्तर बिहार और गंगा से दक्षिण, दक्षिण बिहार। बड़े प्रांतों को दो-तीन और चार भागों में बांटा गया है। इसी तरह उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में तीन-चार प्रांत हैं। ऐसे ही 50 प्रांतों की बैठक बुलाई गई है। रविवार को अयोध्या में होने वाली बैठक में अक्षत वितरण से लेकर पूरे भारत में 22 जनवरी 2024 के श्रीराम मंदिर शुभारंभ के लाइव शो और दीपावली की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

22 जनवरी को अपने ही इलाके को अयोध्या बनाएं

दरअसल, 22 जनवरी को होने वाला कार्यक्रम संतों के द्वारा नियंत्रित होगा। इस कार्यक्रम में देश के लगभग 6000-6500 विशिष्ट लोग रहेंगे। देश के सभी मतपंथ संप्रदाय के 4000 संत उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा विज्ञान, कला, संगीत, समाज, साहित्य जैसी अलग-अलग विधाओं के महारती लोग जुटेंगे। जितने लोग राम जन्मभूमि के संघर्ष में शहीद हुए हैं, उनके परिवार के लोग भी उसमें रहेंगे। इस प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद 45 दोनों का फिर भव्य आयोजन किया होगा, जिसमें हर एक प्रांत से राम जन्मभूमि के संघर्ष में करने वाले कार्यकर्ताओं को बुलाया जाएगा। उन लोगों का सम्मान भी करेंगे। सभी लोगों को मंदिर और 22 जनवरी के प्रोग्राम का फोटो भी भेंट करेंगे। इसलिए, फिलहाल अपील यही है कि 22 जनवरी को अयोध्या नहीं आएं, जगह भी कम है औ ठंड भी रहेगी। अपने ही इलाके में अयोध्या जैसा उत्साहित माहौल बना लें।

PARIVAHAN VISHESH NEWS

परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

24 घण्टे रहेगा उपल्ब्ध

1. वेब पोर्टल
2. फेसबुक
3. ट्विटर
4. लिंकडिन
5. इंस्टाग्राम
6. यूट्यूब चैनल

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे रहेगा उपल्ब्ध

https://www.newsparivahan.com/

संपादक/ पब्लिशर
परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ये हैं सबसे घातक कैंसर जिनसे हर साल हो जाती हैं लाखों मौतें, ऐसे करें पहचान

कैंसर, वाश्वक स्तर पर मृत्यु क प्रमुख कारकों में से एक है। अकेले भारत में हर साल कई प्रकार के कैंसर के कारण आठ-नौ लाख लोगों की मौत हो जाती है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कैंसर का जोखिम और भी बढ़ता जा रहा है, लिहाजा बच्चों और वयस्कों में भी इस गंभीर और जानलेवा रोग का निदान किया जा रहा है।

नईदिल्ली। देश में कैंसर के बढ़ते जोखिमों को लेकर लोगों को अलर्ट करने और इससे बचाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल सात नवंबर को नेशनल कैंसर अवेयरेस डे मनाया जाता है।

कैंसर रोग विशेषज्ञ बताते हैं, अगर समय पर कैंसर का पता चल जाए और इसका इलाज शुरू हो जाए तो रोग को गंभीर रूप लेने और इसके कारण होने वाले मौत के खतरों को कम किया जा सकता है। आइए उन कैंसर के बारे में जानते हैं जिन्हें सबसे घातक माना जाता रहा है। किन लक्षणों की मदद से इन कैंसर का समय रहते निदान किया जा सकता है?

भारतीय पुरुषों में, फेफड़े का कैंसर मृत्यु का सबसे आम कारण रहा है, एक अनुमान के मुताबिक हर साल करीब 50 हजार लोगों की मौत इस कैंसर के कारण हो जाती है। देश में हर 13 में से एक पुरुष में लंग्स कैंसर का खतरा हो सकता है। 80 फीसदी से अधिक लंग्स कैंसर के रोगी धूम्रपान करते रहे हैं, यानी धूम्रपान इस कैंसर के प्रमुख कारकों में से एक है। धूम्रपान के अलावा वायु प्रदूषण और कुछ रसायनों के संपर्क में आना भी इस कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती है।

गंभीर खांसी की समस्या जो समय के साथ बदतर हो जाती है, इसके अलावा सांस लेने में तकलीफ (डिस्पेनिया), सीने में दर्द या बेचैनी के साथ घरघराहट और खांसी के साथ खून आना इस कैंसर का प्रमुख लक्षण हो सकता है।

भारत में, जनसंख्या में क्रमशः प्रति 100,000 महिलाओं में 5.1 प्रतिशत और पुरुषों में 7.2 लोगों को कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा हो सकता है। कोलोरेक्टल कैंसर के मामले घातक इसलिए हो जाते हैं क्योंकि इसका निदान अक्सर

बाद के चरण में होता है। अगर आपको लंब समय से शौच की आदतों में बदलाव, बार-बार दस्त या कब्ज की समस्या, मलाशय से रक्तस्राव या मल में खून आने की दिक्कत होती है तो ऐसे लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

महिलाओं में सबसे कॉमन है स्तन कैंसर

भारत में हर चार मिनट में एक महिला को स्तन कैंसर का पता चलता है। डॉक्टर कहते हैं, अगर प्रारंभिक चरण में स्तन कैंसर का पता चल जाए तो सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी से इसका इलाज संभव है। हालांकि ज्यादातर महिलाओं में इसका निदान देर के चरणों में हो पाता है। स्तन या अंडरआर्म (बगल) में नई गांठ, स्तन के किसी भाग का मोटा होना या सूजन, निपल क्षेत्र या स्तन में लालिमा या परतदार त्वचा की समस्या होना कैंसर का संकेत हो सकता है। इन लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर

पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर होना बहुत सामान्य है, इसके कारण हर साल हजारों की मौत हो जाती है। बार-बार पेशाब आना, मूत्राशय को खाली करने के लिए जोर लगाने की जरूरत होना, पेशाब से खून आने या पेशाब के दौरान दर्द और जलन होने के लक्षण इस कैंसर का संकेत हो सकते हैं। अगर आपको इस तरह की दिक्कतें हो रही हैं तो गंभीरता से इसपर ध्यान दिए जाने और उपचार की आवश्यकता होती है।

नोटः यह लेख मेडिकल रिपोर्ट्स से एकत्रित जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।

विपक्षी गठबंधन की एकता के सारे दावे विधानसभा चुनावों में हवा हवाई हो गये

वर्ष 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन का स्लोगन था यूपी को ये साथ पसंद है। ये साथ राहुल गांधी और अखिलेश यादव का ही था। दोनों नेता तब साथ-साथ चुनावी रैलियां और रोड शो भी करते रहे।

देश के पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव से विपक्षी एकता गठबंधन इंडिया बनने से पहले ही बिखरने के कगार पर आ गया है। लोकसभा चुनाव से पहले गठबंधन के प्रमुख दल सबसे प्रमुख राज्यों में आपस में ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस, जनता दल युनाइटेड, समाजवादी पार्टी और आप में सीट बंटवारे के लिए तनाव बढ़ रहा है। इन दलों के नेता और कार्यकर्ता भी आपस में दंगल कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव में गैरभाजपा दलों की फूट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आगामी लोकसभा चुनाव में गठबंधन का अंजाम क्या होगा। सपा के नेता ने अखिलेश यादव को प्रधानमंत्री उम्मीदवार घोषित किया है और कांग्रेस के कार्यकर्ता ने अजय राय को यूपी का अगला सीएम बताया है। इससे इंडिया गठबंधन का तालमेल खराब हो रहा है।

विपक्ष के 26 दलों का जब गठबंधन हुआ तब कहा गया वे सारे देश में भाजपा के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे, लेकिन गठबंधन के सबसे बड़े दल कांग्रेस ने साफ कहा है कि इंडिया का गठन 2024 लोकसभा चुनावों के लिए हुआ न कि विधानसभा चुनाव के लिए। कांग्रेस ने इसी रणनीति के तहत पांच राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना में अपने किसी सहयोगी दल को तवज्जो नहीं दी। मिजोरम को छोड़कर राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की भाजपा से सीधी लड़ाई है। वहीं, तेलंगाना में उसका मुकाबला के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति से है। मध्य प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और सपा में शुरू हुआ तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया। दोनों तरफ से ये दावा किया गया है कि बीजेपी को हराने के लिए चुनावी तालमेल जरूरी था, पर ऐसा नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी अब कांग्रेस पर धोखेबाजी का आरोप लगा रही है। यही बात कांग्रेस पार्टी के नेता समाजवादी पार्टी के लिए कह रहे हैं।

कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात पक्की न हो पाने के बाद मध्य प्रदेश में अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के 45 उम्मीदवार उतार चुके हैं और इसी तरह नीतीश कुमार भी अब तक जेडीयू के 5 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुके हैं। जेडीयू की तरफ से दर्जन भर उम्मीदवार चुनाव लड़ने वाले हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी बिना किसी गठबंधन के चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने अब तक किसी अन्य दल से गठबंधन नहीं किया है। साथ ही प्रदेश की सभी 200 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। पार्टी की ओर से जारी अब तक तीन लिस्ट में 49 प्रत्याशियों को मैदान में उतारा गया है।

विधानसभा चुनाव के साथ ही लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच विपक्षी दलों में अभी से घमासान मचा हुआ है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के बाद सपा दूसरे नंबर की पार्टी है लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की स्थिति ज्यादा मजबूत है। ऐसे में राष्ट्रीय पार्टी सपा से किसी भी तरह का समझौता करने के मूड में नहीं है। मध्य प्रदेश में बीजेपी के मुख्य मुकाबले में कांग्रेस है और इसलिए सपा को सीटें देने से पार्टी ने गुरेज किया था। इसे लेकर अखिलेश यादव ने आपत्ति जताई थी और सवाल किया था कि क्या यह गठबंधन राज्य स्तर पर है या नहीं? तब कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में सपा की स्थिति की याद दिलाते हुए उसे कांग्रेस को सहयोग देने की अपील की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि यही तर्क यूपी में सीट बंटवारे के दौरान अखिलेश भी कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल कर सकते हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के मैदान में आमने सामने तो बीजेपी और कांग्रेस हैं, लेकिन निशाने पर समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव आ रहे हैं और सूबे के सियासत की आंच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक पहुंच रही है। असल में ये सारी बातें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन को लेकर चल रही हैं। लंबे समय से अखिलेश यादव को लेकर राहुल गांधी का जो रुख सामने आया है, उसका सीधा असर इंडिया गठबंधन पर पड़ना निश्चित है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में विपक्ष एकजुट नहीं हो पाता तो देश के बाकी हिस्सों में साथ होकर भी कोई फायदा नहीं होने वाला है।

क्षेत्रीय दल कांग्रेस के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं, ये तो राहुल गांधी ने कांग्रेस के उदयपुर मंथन शिविर में उनकी विचारधारा पर टिप्पणी करके जता दिया था। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने साफ तौर पर यही समझाने की कोशिश की थी कि क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार करना ही होगा। राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कर्नाटक से लेकर बिहार जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई थी। अगर दिल्ली अर्थात प्रधानमंत्री पद का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता हुआ माना जाता है, तो ये भी मान कर चलना चाहिये कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के मामले में भी यही बात लागू होती है। ऐसे में समाजवादी पार्टी को हल्के में लेना राहुल गांधी के लिए बहुत भारी पड़ सकता है।

वर्ष 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन का स्लोगन था यूपी को ये साथ पसंद है। ये साथ राहुल गांधी और अखिलेश यादव का ही था। दोनों नेता तब साथ-साथ चुनावी रैलियां और रोड शो भी करते रहे। प्रियंका गांधी भी यूपी के लड़कों के साथ को काफी उत्साह भरी नजर से देख रही थीं। माना जाता है कि तब प्रियंका गांधी वाड्रा ने ही दोनों दलों के बीच चुनावी गठबंधन कराया था और ऐसा करने के लिए उनको डिंपल यादव की भी थोड़ी मदद लेनी पड़ी थी। फिर डिंपल यादव ने अखिलेश यादव को और प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी को गठबंधन के लिए मना लिया था। कांग्रेस ने मोलभाव करके काफी सीटें ले लीं, लेकिन नतीजे आये तो बुरी तरह लुढ़क गई। अखिलेश यादव सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे थे और उनको बड़ी उम्मीद थी कि उनकी साइकिल पर कांग्रेस का हाथ लग जाये तो वो आसानी से रफ्तार पकड़ लेगी। चुनाव बाद गठबंधन टूट गया। गठबंधन टूट जाने के कई कारण माने जाते हैं, जिनमें एक कारण ये भी कहा जाता है कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव को भाव नहीं दे रहे थे।

वर्ष 2019 के आम चुनाव के लिए अखिलेश यादव ने मायावती के साथ गठबंधन किया और गठबंधन से कांग्रेस को पूरी तरह दूर रखा गया। बस रायबरेली और अमेठी सीट पर कांग्रेस को बख्श दिया गया, फिर भी राहुल गांधी की हार के साथ कांग्रेस को अमेठी सीट गंवानी पड़ी थी। इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों की अब तक तीन बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में सिर्फ भाजपा के खिलाफ हुंकार भरने से ज्यादा प्रगति नहीं हो सकी। भाजपा इंडिया के विपक्षी दलों के खिलाफ किसी तरह का मुद्दा हाथ से नहीं जाने दे रही है। मुद्दा चाहे भ्रष्टाचार का हो या फिर दूसरे क्षेत्रीय-राष्ट्रीय चुनावी महत्व का। विधानसभा चुनाव से विपक्षी दलों की सूरत नजर आने लगी है। इस बिगड़ी हुई सूरत को संवार भाजपा को उसी हालत में चुनौती दी जा सकती है, जब क्षेत्रीय दल अपने निहित राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर एकता की कवायद करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023